

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



कल्याणपुर पुलिस की तत्परता से ई-रिक्शा में छूटा बैग.... पेज: 6

दिल्ली क्राइम सीजन 3 शो मेरे दिल के बेहद करीब... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 225 | गुरूवार 19 नवम्बर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 27-28 को हरियाणा के सूरजकुंड में

नई दिल्ली , एजेंसी। बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 27 और 28 नवंबर को हरियाणा के सूरजकुंड में होगी इसमें पार्टी के नेता जुटेंगे। दो दिन तक चलने वाली इस बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हिस्सा लेंगे। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक संगठन से जुड़े अहम मामलों पर विचार-विमर्श का एक प्रमुख मंच होती है। इससे पहले बीजेपी ने यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर मथुरा में दो दिवसीय योजना बैठक की थी। यह बैठक 16 और 17 नवंबर को परखम गांव में हुई थी। इसमें सीएम योगी, दोनो डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक समेत पार्टी के 54 वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया था। बैठक के दूसरे दिन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी शामिल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक मथुरा की बैठक में संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी पर चर्चा हुई थी। युवाओं तक पार्टी की पहुंच बढ़ाने, अब तक बीजेपी से दूर रहे सामाजिक वर्गों को जोड़ने का मुद्दा भी उठा था। इसके साथ ही सरकार की उपलब्धियों को आम लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया था। अब बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अगली बैठक हरियाणा के सूरजकुंड में 27-28 होने जा रही है।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे पर वाहनों की गति सीमा घटी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कोहरे के कारण होने वाले सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य के पांच प्रमुख एक्सप्रेसवे पर वाहनों की अधिकतम गति सीमा कम की है। उत्तर प्रदेश सड़क सुरक्षा विभाग ने कम दृश्यता को देखकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, जिसका मुख्य उद्देश्य कोहरे की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना है। विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह शीतकालीन गति सीमा 15 नवंबर, 2026 से लेकर 15 फरवरी, 2027 तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि के दौरान, सुबह 08:00 बजे से रात 08:00 बजे तक नई नियम लागू रहने वाले है। इसके तहत, कारों के लिए अधिकतम गति 80 किलोमीटर प्रति घंटा तय की गई है, जबकि यात्री बसों के लिए 60 किलोमीटर प्रति घंटा और मालवाहक ट्रकों के लिए 50 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित किया गया है। जिन पांच एक्सप्रेसवे पर नियम लागू, उसमें आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे और गंगा एक्सप्रेसवे शामिल हैं। यह कदम कोहरे के कारण होने वाले गंभीर हादसों को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है, जिनमें अक्सर कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। गति सीमा कम होने से चालकों को आपात स्थिति में वाहनों को नियंत्रित करने और दुर्घटनाओं के प्रभाव को कम करने में सहायता मिलेगी। उत्तर प्रदेश यातायात निदेशालय ने सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वे ठंड और कोहरे के मौसम में सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित गति सीमा का कड़ाई से पालन करें।

सीएम योगी के गृह क्षेत्र में सपा की पदयात्रा पर बीजेपी ने कसा तंज कहा- 2047 तक सत्ता में नहीं आ सकते अखिलेश

लखनऊ , एजेंसी। यूपी 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले सियासी पारा चढ़ने लगा है। सीएम योगी आदित्यनाथ को उनके ही गृह क्षेत्र में राजनीतिक चुनौती देने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गोरखपुर में करीब 20 किलोमीटर लंबी एक भव्य रोड शो और पदयात्रा निकाल रहे हैं। इसको लेकर बीजेपी ने तंज कसा है और कहा कि बीजेपी को अखिलेश की पदयात्रा से कोई चिंता नहीं है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का कहना है कि 2047 तक उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी सत्ता में नहीं आ पाएगी। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव चाहे गोरखपुर, सैफई या लखनऊ में कहीं भी यात्रा निकाल लें, सपा का भविष्य पहले भी अंधकार में था, आज भी है और आगे भी रहेगा। समाजवादी पार्टी 2047 तक उत्तर प्रदेश में सत्ता में आने के सपने तो देख सकती है, लेकिन असल में वे सत्ता में नहीं आ सकते। अखिलेश यादव यह बात बहुत अच्छी तरह जानते हैं। बता दें यूपी में 2027 के फरवरी या मार्च में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। पिछले विधानसभा चुनावों के आंकड़ों पर नजर डालें तो बीजेपी ने 255 सीटों पर जीत दर्ज कर प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की थी, जबकि मुख्य विपक्षी दल के रूप में समाजवादी पार्टी ने 111 सीटें जीती थीं। अब जहां बीजेपी विकास और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर तीसरी बार सत्ता की हैट्रिक लगाने की कोशिश कर रही है।

ऐसे बयान भारत की प्रगति और भारतीय लोकतंत्र के प्रति उनकी नफरत ही है

आर्थिक आपदा वाले बयान पर बीजेपी ने किया राहुल गांधी पर पटलवार

नई दिल्ली , एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर दिए गए बयान ने देश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। राहुल गांधी ने अपनी टिप्पणी में कहा था कि भारत आर्थिक आपदा की कगार पर खड़ा है। उनके इस बयान पर बीजेपी ने कड़ा रुख अपनाते हुए तीखा हमला बोला और उन पर विदेशी धरती से भारतीय लोकतंत्र और देश की छवि को धूमिल करने का आरोप लगाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी के इस बयान की आलोचना करते हुए बीजेपी नेता प्रदीप भंडारी ने कहा कि भारत की प्रगति और भारतीय लोकतंत्र के प्रति उनकी नफरत ही है, जिसकी वजह से वे जब भी विदेश जाते हैं, तो भारत के बारे में बुरा-भला कहते हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब पूरी दुनिया मानती है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और भारतीय लोकतंत्र का दुनिया भर में सम्मान है। भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी ने हर बार विदेश जाकर भारत के खिलाफ बोला है!...एक जिम्मेदार विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी खुद एक आपदा हैं!

राहुल गांधी के बयान पर निशाना साधते हुए पश्चिम बंगाल के मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि भारत में राहुल गांधी की कोई बात नहीं सुनता, इसलिए वे विदेश जाकर ऐसी बातें करते हैं। घोष ने कहा कि एक अंधे व्यक्ति को दिन में भी अंधेरा ही दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है और पिछले 12 सालों से लोग खुश हैं। केवल सत्ता के भूखे लोग ही दुखी हैं।

बता दें राहुल गांधी ने कहा कि भारत एक गंभीर आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है, जिसका कारण व्यापक बेरोजगारी और देश की शिक्षा प्रणाली को लेकर गहरी चिंताएं हैं। कोलंबिया यूनिवर्सिटी में एक सभा को संबोधित



करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि सीधी बात यह है कि भारत एक आर्थिक आपदा के मुहाने पर खड़ा है। यही हकीकत है। आप इसे नजरअंदाज कर सकते हैं, मीडिया भी इसे नजरअंदाज कर सकता है, लेकिन भारत में बेरोजगारी की एक बहुत बड़ी समस्या है। भारत की शिक्षा प्रणाली में भी एक बहुत बड़ी समस्या है।

दिल्ली में ढहती इमारतें: जानलेवा लापरवाही का सिलसिला

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में इमारतों के ढहने का जानलेवा सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह पूर्वी दिल्ली के शाहदरा स्थित ज्वाला नगर में रेलवे लाइन के पास एक करीब 40 साल पुराना दो मंजिला मकान अचानक भरभराकर गिर गया। इस दर्दनाक हादसे में मलबे में दबने से तीन साल के मासूम देवांश और 35 वर्षीय पिंटू की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह घटना राजधानी में पुराने और असुरक्षित भवनों की निगरानी व्यवस्था पर फिर गंभीर सवाल खड़े करती है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले छह महीनों में दिल्ली में इमारतों के ढहने के सात बड़े हादसे सामने आए हैं, जिसमें 30 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। लगातार हो रही घटनाओं से प्रशासन की जर्जर भवनों की पहचान, उनकी मरम्मत या उन्हें खाली कराने की व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। ज्वाला नगर में गिरी इमारत करीब चार दशक पुरानी थी और जानकारी के अनुसार, मकान मालिक ने लंबे समय से इसकी मरम्मत नहीं की थी। बताया गया कि करीब 700 गज की जमीन पर बने इस परिसर में 30 कमरे थे और करीब 70 किरायेदार रहते थे, जो इमारत की क्षमता और उसकी मौजूदा स्थिति को लेकर संदेह पैदा करता है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह इमारत नगर निगम की खतरनाक भवनों की सूची में शामिल नहीं थी। उत्तर-पूर्वी निगम जोन के अधिकारी ने पुष्टि की कि भवन निगम के रिकॉर्ड में खतरनाक इमारत के तौर पर दर्ज नहीं था, जिससे भवनों के सर्वे और निगरानी की प्रभावशीलता पर सीधा सवाल खड़ा होता है। राजधानी में तेजी से बढ़ती आबादी और सीमित आवासीय विकल्पों के कारण पुराने मकानों में बड़ी संख्या में किरायेदार मजबूरन रह रहे हैं। कई जगह भवनों में जरूरत से ज्यादा कमरे बनाकर किराये पर दिए जाते हैं।

अयोध्या और नेपाल के जनकपुर के बीच नई ट्रेन सेवा का होगा शुभारंभ

- पीएम मोदी और बालेन शाह दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी अयोध्या को बिहार के सीतामढ़ी से होकर नेपाल के जनकपुर धाम से जोड़ने वाली नई साप्ताहिक ट्रेन सेवा को मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण ट्रेन का शुभारंभ 23 नवंबर को होने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह संयुक्त रूप से ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। माना जा रहा है कि यह सेवा नेपाल के प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा के दौरान शुरू होगी, जो मार्च में पदभार संभालने के बाद उनकी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा होगी।



यह ट्रेन अयोध्या कैंट और जनकपुर धाम के बीच करीब 604 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या को माता सीता से जुड़े स्थल जनकपुर और सीतामढ़ी से जोड़ने वाले मार्ग से तीर्थयात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। अपने सफर के दौरान यह ट्रेन कुल 10 प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी, जिसमें उत्तर प्रदेश के अयोध्या धाम, मनकापुर, बस्ती और गोरखपुर तथा बिहार के नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, शिशो, मधुबनी और जयनगर शामिल हैं। इसके बाद यह ट्रेन जयनगर के रास्ते नेपाल में प्रवेश कर जनकपुर धाम पहुंचेगी। रेलवे के तय कार्यक्रम के अनुसार, यह ट्रेन हर सोमवार को अयोध्या कैंट से रवाना होगी और वापसी में हर शनिवार को जनकपुर धाम से चलेगी। भारतीय रेलवे का मानना है कि इस सीमा पार ट्रेन सेवा के शुरू होने से तीर्थयात्रियों, पर्यटकों के साथ-साथ पढ़ाई, व्यापार और काम के सिलसिले में आने-जाने वाले लोगों के लिए यात्रा बेहद सुगम हो जाएगी। इस रूट पर स्थित दोनों देशों के प्रमुख शहरों में पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को भी नया बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र कैबिनेट के महत्वपूर्ण फैसले: शिक्षा, सुरक्षा और न्याय पर व्यापक प्रभाव

मुंबई , एजेंसी । मुंबई में महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें राज्य के गृह, उच्च व तकनीकी शिक्षा, वस्त्र उद्योग और विधि व न्याय विभागों से संबंधित कई बड़े निर्णय लिए गए।

इन फैसलों में, सुरक्षा बलों से नक्सलियों द्वारा लूटे गए हथियारों की जानकारी देने वालों के लिए नकद इनाम योजना शुरू करने का अहम फैसला शामिल है। इस पहल का उद्देश्य ऐसी गुप्त सूचनाओं को प्रोत्साहित करना है, जिससे राज्य में आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर सके।

इसके अलावा, राज्य में उच्च और तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए महाराष्ट्र पब्लिक यूनिवर्सिटीज एक्ट, 2016 में संशोधन को मंजूरी दी गई। यह बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षा क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों को ध्यान में रखकर किए जाएंगे, जिससे महाराष्ट्र में शिक्षा के स्तर को नई दिशा मिल सकेगी।

वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, कैबिनेट ने राज्य की इंटीग्रेटेड और सस्टेनेबल टेक्सटाइल इंडस्ट्री पॉलिसी में भी संशोधन को स्वीकृति दी। इस निर्णय के तहत, पालघर जिले को अब जोन-1 में शामिल किया जाएगा, जबकि जोन-4 को रद्द कर विस्तार के नियमों में भी बदलाव किए जाएंगे। इन संशोधनों से पालघर में वस्त्र संबंधी व्यापार और निवेश को गति मिलने की उम्मीद है।

न्यायिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कैबिनेट ने पालघर जिले में प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट के साथ-साथ चीफ मजिस्ट्रेट कोर्ट स्थापित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। इसके अतिरिक्त, पालघर में सरकारी वकीलों के कार्यालय और उनसे संबंधित सहायक पदों के सृजन को भी हरी झंडी दिखाई गई है। इन फैसलों से पालघर जिले में न्यायिक प्रशासन मजबूत होगा और आम लोगों को स्थानीय स्तर पर त्वरित न्याय मिल सकेगा।

पंजाब चुनाव: शिअद से गठबंधन पर केंद्रीय नेतृत्व करेगा फैसला : पाटिल

नई दिल्ली, एजेंसी । केंद्रीय जल शक्ति मंत्री और भाजपा के पंजाब चुनाव प्रभारी सी आर पाटिल ने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय जनता पार्टी 2027 में पंजाब विधानसभा चुनाव जीतेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के साथ संभावित गठबंधन का निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व करेगा, न कि वे स्वयं। केंद्रीय मंत्री पाटिल का यह बयान तब आया है जब 2027 के चुनावों के लिए भाजपा और शिअद के फिर से साथ आने की अटकलें तेज हैं। दोनों दलों का 24 साल पुराना गठबंधन सितंबर 2020 में तीन कृषि कानूनों के विरोध में टूट गया था, हालांकि अब वे कानून निरस्त हो चुके हैं।

अपने पंजाब दौरे के दौरान, केंद्रीय मंत्री



पाटिल ने चंडीगढ़ स्थित भाजपा कार्यालय का दौरा किया, जहां उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों, सांसद सतनाम सिंह संधू सहित कई अन्य प्रमुख नेता मौजूद थे। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे राज्यों में चुनावी सफलताओं का हवाला देकर दावा किया कि पार्टी पंजाब में भी जीत हासिल करेगी।

गठबंधन की संभावनाओं पर केंद्रीय मंत्री पाटिल ने कहा, यह फैसला पार्टी नेताओं को करना है। हमारे नेता इस बारे में निर्णय लेने वाले है। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ एक कार्यकर्ता हैं और गठबंधन को लेकर शिअद के साथ किसी भी बैठक की जानकारी उन्हें नहीं है। उन्होंने शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के साथ किसी भी बातचीत से इंकार कर कहा कि अगर कोई बातचीत होनी है, तब वह पार्टी के वरिष्ठ नेता करने वाले हैं, इसमें उनकी कोई दखल नहीं है।

राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताकर केंद्रीय मंत्री पाटिल ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधकर कहा कि पंजाब के लोग मौजूदा हालात से वाकिफ हैं और इस सरकार से छुटकारा पाना चाहते हैं। करतारपुर गलियारे को फिर से खोलने के मुद्दे पर उन्होंने प्रधानमंत्री के पूर्व प्रयासों की सराहना की और विश्वास जताया कि भविष्य में भी सभी की भावनाओं का सम्मान किया जाएगा।

होर्मुज में पनामा के झंडे वाले एलपीजी टैंकर पर हमला, 24 भारतीयों को सुरक्षित निकाला

दो घायल, एक लापता, भारत ने जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों को बताया चिंताजनक

नई दिल्ली , एजेंसी। अमेरिका-ईरान के बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में एक और व्यावसायिक जहाज को निशाना बनाया गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी है कि इस सप्ताह की शुरुआत में पनामा के झंडे वाले एलपीजी टैंकर एमटी तारा गैस पर हुए हमले के बाद चालक दल में शामिल एक भारतीय नागरिक लापता हो गया है, जबकि दो अन्य भारतीय गंभीर रूप से घायल हो गए। राहत की बात यह है कि टैंकर पर सवार सभी 24 भारतीयों में से 21 को सुरक्षित रेस्क्यू कर निकाला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने होर्मुज में पनामा के झंडे वाले एलपीजी टैंकर पर हुए हमले की निंदा की है। साथ ही, भारत ने एक बार फिर मांग दोहराई है कि व्यावसायिक जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना बंद किया जाए। मंत्रालय ने बताया कि जहाज पर सवार 24 भारतीयों में से 21 को सुरक्षित खसाब पहुंचा दिया गया है। घायल हुए दो भारतीय चालक दल के सदस्यों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि एक भारतीय नागरिक अभी भी लापता बताया जा रहा है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि ओमान में स्थित भारतीय दूतावास, ओमान के अधिकारियों के साथ मिलकर चल रहे खोज और बचाव अभियान पर नजर रख रहा है। भारत ने कहा कि हम बचाव कार्यों में ओमान सरकार द्वारा दी गई त्वरित मदद और सहयोग की सराहना करते हैं। नई दिल्ली ने कहा कि इस क्षेत्र में जहाजों पर लगातार हो रहे हमले बेहद चिंताजनक हैं और ये नागरिक नाविकों की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करते हैं। बयान में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप, अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर जहाजों की आवाजाही और व्यापार को बिना किसी रुकावट के जल्द से जल्द बहाल किया जाना चाहिए।

एक्स पर एक पोस्ट में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि 10 नवंबर को लाइबेरिया के झंडे वाला फुजैराह एनर्जी जिस पर 6 भारतीय नाविक सवार थे - अल रुवाइस से दुबई जाते समय फारस की खाड़ी में प्रोजेक्टाइल की चपेट में आ गया था। इस हमले में चालक दल के चार सदस्य घायल हो गए थे, जिनमें एक भारतीय नागरिक भी



शामिल है। उसे मामूली चोटें आई हैं और आगे की चिकित्सीय जांच के लिए सुरक्षित रूप से किनारे पर ले आया गया है। चालक दल के बाकी 18 सदस्य, जिनमें अन्य 5 भारतीय नाविक भी शामिल हैं, सुरक्षित हैं और सभी का पता चल गया है।

पंजाब में भाजपा की समरसता संकल्प यात्रा का आगाज़, आप पर निशाना

जालंधर , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पंजाब के जालंधर में समरसता संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाई। भाजपा नेताओं ने दौरे का मकसद सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) के कुशासन से राज्य को बचाना और पंजाब को फिर से सही रास्ते पर लाना बताया। जालंधर जिले के आदमपुर स्थित गुरु रविदास जी महाराज हवाई अड्डे पर पहुंचने पर उनका स्वागत पंजाब भाजपा प्रमुख केवल सिंह ढिल्लों और पार्टी प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने किया।

बीजेपी प्रवक्ता शेरगिल ने बताया कि यह यात्रा गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के सम्मान में आयोजित की गई है। उन्होंने कहा, नितिन नवीन पंजाब की पवित्र भूमि से प्रार्थना करने वाले हैं कि राज्य को आप के कुशासन से बचाया जा सके, जिस सरकार ने राज्य को नशीले पदार्थों, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और बिगड़ती कानून-व्यवस्था के अंधेरे में धकेल दिया है। वे गुरु रविदास महाराज जी से पंजाब का पुराना गौरव वापस लौटने और राज्य को पूरे भारत में फिर से नंबर एक बनाने की भी प्रार्थना



करने वाले है।

वरिष्ठ भाजपा नेता विजय सांपला ने बताया पंजाब से शुरू हुई यह यात्रा चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा सहित कुल सात राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से होकर 3 दिसंबर को वाराणसी में समाप्त होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समापन कार्यक्रम में उपस्थित रहने वाले है। बीजेपा नेता अश्वनी सेखरी ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य गुरु रविदास जी से जुड़ी घटनाओं को मनाना और उनके दिए गए आदर्शों व शिक्षाओं का सम्मान करना है। भाजपा के अनुसार, समरसता संकल्प यात्रा 3 दिसंबर तक पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, चंडीगढ़, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में संत रविदास जी के संदेश का प्रसार करेगी। यह आयोजन तब हो रहा है जब भाजपा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती को साल भर चलने वाले एक राष्ट्रीय उत्सव के रूप में मना रही है।

दिल्ली में एक्यूआई का स्तर सुधरा, लोगों ने ली राहत की सांस, 11.6 डिग्री रहा पारा

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली में मंगलवार को नवंबर की अब तक की सबसे साफ हवा दर्ज की गई और एक्यूआई 204 रहा। इस बीच शहर में इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी सुबह रही और सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री रहा। इस महीने 'खराब' श्रेणी में 204 के एक्यूआई के साथ दिल्ली की हवा सबसे बेहतर रही। इससे कई दिनों से बिगड़ती वायु गुणवत्ता के बाद लोगों को कुछ राहत मिली है। बता दें इससे पहले दिल्ली में 31 अक्टूबर को एक्यूआई 117 दर्ज किया गया था, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। आंकड़े दर्ज करने वाले 58 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 31 'खराब' श्रेणी में रहे, 26 में वायु गुणवत्ता 'मध्यम' दर्ज की गई, जबकि एक केंद्र, सिरीफोर्ट में 303 एक्यूआई के साथ वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में रही। दिल्ली में नवंबर के ज्यादातर समय धुंध छाई रही और प्रदूषण का स्तर बढ़ा रहा।

बर्ड फ्लू से मुर्गियों को छह माह की सुरक्षा: भोपाल में देश का पहला स्वदेशी टीका तैयार

भोपाल, एजेंसी । भोपाल के वैज्ञानिकों ने देश का पहला स्वदेशी बर्ड फ्लू (एच5एन1) टीका विकसित कर पोल्ट्री उद्योग को बड़ी राहत दी है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (आईसीएआर-एनआईएचएसएडी) द्वारा तैयार किया यह टीका 20 नवंबर को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भोपाल में लांच किया जाएगा। इस निष्क्रिय टीके की एक खुराक मुर्गियों को छह महीने तक बर्ड फ्लू के खतरनाक वायरस से सुरक्षित रखेगी।

यह टीका विशेष रूप से एच5एन1 वायरस के क्लेड 2.3.2.1ए के खिलाफ प्रभावी है, जो भारत में मुर्गियों को संक्रमित करने वाला प्रमुख स्ट्रेन है। अब तक, इस विशिष्ट स्ट्रेन के खिलाफ कारोबारी उपयोग के लिए कोई स्वदेशी टीका उपलब्ध नहीं था। इसके परीक्षणों में अंडा देने वाली (लेयर्स) और प्रजनन के लिए पाली जाने वाली (ब्रीडर्स) मुर्गियों में बेहद सकारात्मक परिणाम मिले हैं।

एच5एन1 वायरस मुर्गियों के लिए बेहद घातक साबित होता है, जिसके संक्रमण से किसी भी पोल्ट्री फार्म में लगभग 100 प्रतिशत तक मुर्गियों की मौत हो सकती है। बीमारी फैलने पर संक्रमण रोकने और बड़े आर्थिक नुकसान से बचने के लिए प्रभावित क्षेत्र में हजारों मुर्गियों को मारना पड़ता है। भारत में 2006 में पहली बार बर्ड फ्लू का प्रकोप सामने आया था और तब से देश में 500 से अधिक बार संक्रमण के मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिससे पोल्ट्री किसानों को भारी क्षति उठानी पड़ी है।

यह नया टीका न केवल पोल्ट्री उद्योग को करोड़ों रुपये के संभावित नुकसान से बचाएगा, बल्कि इंसानों में एच5एन1 संक्रमण के खतरे को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुर्गियों में संक्रमण के प्रसार को रोकने से मनुष्यों में वायरस फैलने की संभावना भी कम होगी, हालांकि नियमित निगरानी और फार्मों में जैव सुरक्षा उपाय भी जरूरी होगा। चीन, मिस्र और वियतनाम जैसे देशों के टीके भारतीय वायरस स्ट्रेन के लिए पूरी तरह कारगर नहीं थे, जिससे इस स्वदेशी टीके का महत्व और बढ़ जाता है। इस टीके का उपयोग व्यावसायिक पोल्ट्री फार्मों में चरणबद्ध तरीके से पशु चिकित्सकों की देखरेख में किया जाएगा, जो देश के पशुधन स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

2 सब का सपना
हिंदी दैनिक
विचार मंथन
अमरोहा
गुरुवार 19 नवम्बर 2026
www.sabkasapna.com

भारत समिट के नाम पर मोदी विरोध का षड़यंत्र



ललित गर्ग

यदि किसी राजनीतिक दल को सत्ता में वापसी करनी है तो उसे जनता के बीच जाना होगा। उसे बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, युवा, महिला सुरक्षा और आर्थिक विकास जैसे मुद्दों पर अपना वैकल्पिक मॉडल देना होगा। केवल यह कहना कि लोकतंत्र खतरे में है, पर्याप्त नहीं। लोकतंत्र पर खतरे का दावा प्रमाण मांगता है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि उसमें सत्ता से असहमति के लिए पर्याप्त स्थान होता है। सरकार की नीतियों की आलोचना करना, उसके निर्णयों पर प्रश्न उठाना और जनता के सामने वैकल्पिक राजनीतिक दृष्टिकोण रखना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार ही नहीं, लोकतांत्रिक दायित्व भी है। लेकिन जब किसी चुनी हुई सरकार का विरोध करने के लिए विदेशी राजनीतिक शक्तियों को मंच उपलब्ध कराया जाने लगे और देश के आंतरिक लोकतांत्रिक प्रश्नों को अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श का विषय बनाया जाए, तब सवाल केवल राजनीतिक नहीं रह जाता, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान, संप्रभुता और लोकतांत्रिक मर्यादा से जुड़ जाता है। हैदराबाद में 13-14 नवंबर 2026 को आयोजित 'भारत समिट' इसी कारण राजनीतिक विवाद के केंद्र में आ गया। कांग्रेस और तेलंगाना सरकार इसे वैश्विक चुनौतियों-जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आर्थिक न्याय, निवेश, लोकतंत्र और विकास पर विमर्श का अंतरराष्ट्रीय मंच बता रही हैं। दूसरी ओर भाजपा ने सम्मेलन में कुछ विदेशी वक्ताओं की टिप्पणियों को आधार बनाकर इसे 'एंटी-भारत समिट' तक कहा है। दोनों पक्षों के अपने राजनीतिक तर्क हैं। लेकिन इस पूरे विवाद के बीच एक अधिक गंभीर प्रश्न उभरता है-क्या भारत की आंतरिक राजनीति में विदेशी राजनीतिक हस्तक्षेप को सामान्य लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा मान लिया जाना चाहिए? वैसे भी लोकतंत्र में सत्ता का विरोध हो, लेकिन राष्ट्रहित की कीमत पर नहीं।

यह प्रश्न किसी एक दल के पक्ष या विपक्ष में खड़े होकर नहीं, बल्कि राष्ट्रहित की कसौटी पर विचार करने की मांग करता है। विदेशी विद्वानों, अर्थशास्त्रियों, पर्यावरण विशेषज्ञों और लोकतांत्रिक चिंतकों को भारत में आमंत्रित करना अपने आप में कोई गलत बात नहीं है। भारत सदियों से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना में विश्वास करता आया है। दुनिया के साथ संवाद भारतीय सभ्यता की शक्ति है। जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति और मानवाधिकार जैसे विषय किसी एक देश की सीमाओं में बंद नहीं रह सकते। ऐसे विषयों पर अंतरराष्ट्रीय संवाद आवश्यक है। समस्या वहां शुरू होती है, जहां वैश्विक संवाद राजनीतिक प्रचार का माध्यम बन जाए और विदेशी राजनीतिक व्यक्तियों से भारत की निर्वाचित सरकार, चुनाव प्रक्रिया अथवा देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर ऐसे आरोप लगवाए जाएं, जिनका प्रमाण सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत न किया गया हो। हैदराबाद सम्मेलन में इतालवी समाजवादी नेता जियाकोमो फिलिबेक की कथित टिप्पणी ने इसी विवाद को जन्म दिया। राहुल गांधी की उपस्थिति में भारतीय चुनाव व्यवस्था पर



सवाल उठाने और 'वोट चोर-गद्दी छोड़' जैसे राजनीतिक नारे से जुड़ा प्रसंग इस बहस को और तीखा बना गया। यहां मूल प्रश्न यह नहीं है कि किसी विदेशी नागरिक को भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर राय रखने का अधिकार है या नहीं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए वह राय रख सकता है। प्रश्न यह है कि क्या भारत की घरेलू राजनीतिक लड़ाई में विदेशी राजनीतिक नेताओं को सक्रिय पक्षकार बनाया जाना चाहिए?

लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन जनता करती है, विदेशी शक्तियां नहीं। यदि किसी भारतीय राजनीतिक दल को लगता है कि चुनाव व्यवस्था में कोई कमी है, तो उसके पास संसद है, न्यायपालिका है, निर्वाचन आयोग है, मीडिया है और सबसे बड़ी शक्ति-भारत की जनता है। वह चुनाव परिणामों को चुनौती दे सकता है, न्यायालय जा सकता है, प्रमाण प्रस्तुत कर सकता है और जनता के बीच अभियान चला सकता है। लेकिन यदि वह अपने राजनीतिक आरोपों को पुष्ट करने के लिए विदेशी राजनीतिक मंचों एवं विदेशी राजनेताओं का सहारा लेने लगे, तो इससे अंततः उसकी अपनी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता कमजोर होती है। यहां कांग्रेस से एक गंभीर प्रश्न पूछा जाना चाहिए-क्या भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास इतना कमजोर हो गया है कि अपने राजनीतिक आरोपों को प्रमाणित करने के लिए विदेशी आवाजों की आवश्यकता पड़ने लगी है? और यही प्रश्न भाजपा से भी पूछा जाना चाहिए। हर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को 'भारत विरोधी' या हर आलोचना को 'विदेशी साजिश' बताना भी लोकतांत्रिक परिपक्वता नहीं है। भारत इतना विशाल और आत्मविश्वासी लोकतंत्र है कि वह आलोचना से डरकर नहीं, बल्कि तथ्यों और तर्कों से उसका उत्तर दे सकता है। विदेशी अतिथि की अनुचित टिप्पणी का विरोध होना चाहिए, लेकिन हर असहमति को राष्ट्रविरोध की संज्ञा देना भी उचित नहीं।

इस विवाद का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि भारत की विदेश नीति और राष्ट्रीय हित को घरेलू दलगत राजनीति से अलग रखने की परंपरा कमजोर होती दिखाई दे रही है। विदेश नीति किसी कांग्रेस, भाजपा या किसी अन्य राजनीतिक दल की निजी संपत्ति नहीं होती। वह 140 करोड़ से अधिक भारतीयों की सामूहिक आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। सरकारें आती-जाती हैं, लेकिन राष्ट्र स्थायी रहता है। भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन की परंपरा से लेकर आज की बहुध्रुवीय विश्व-व्यवस्था तक हमेशा अपनी स्वतंत्र विदेश नीति की पहचान बनाए रखी है। उसने अमेरिका, रूस, यूरोप, जापान, अरब देशों, अफ्रीका और वैश्विक दक्षिण-सभी के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर संबंध बनाए हैं। ऐसे देश के लिए यह आवश्यक है कि घरेलू राजनीतिक मतभेदों को अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक संघर्ष का हिस्सा न बनाया जाए। सरकार का विरोध देश का विरोध नहीं है। लेकिन सरकार का विरोध करने के लिए विदेशी राजनीतिक शक्तियों को भारत की आंतरिक राजनीति में सक्रिय भूमिका देना निश्चित रूप से गंभीर चिंता का विषय है। इसी अंतर को समझना आज भारतीय लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता का अर्थ यह नहीं कि देश में विपक्ष समाप्त हो जाए। राष्ट्रीय एकता का अर्थ है-विचार अलग हों, राजनीतिक दल अलग हों, सरकार और विपक्ष एक-दूसरे की तीखी आलोचना करें, लेकिन भारत के हित, भारत की संप्रभुता और भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति मूल प्रतिबद्धता साझा रहे।

यदि किसी राजनीतिक दल को सत्ता में वापसी करनी है तो उसे जनता के बीच जाना होगा। उसे बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, युवा, महिला सुरक्षा और आर्थिक विकास जैसे मुद्दों पर अपना वैकल्पिक मॉडल देना होगा। केवल यह कहना कि लोकतंत्र खतरे में है, पर्याप्त नहीं। लोकतंत्र पर खतरे का दावा प्रमाण मांगता है। चुनावी पराजय का उत्तर विदेशी मंच नहीं, जनविश्वास होता है। इसी तरह सरकार और सत्तारूढ़ दल को भी आत्ममंथन करना चाहिए। यदि कोई विपक्ष लोकतंत्र या चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाता है तो उसे केवल राजनीतिक आरोप मानकर खारिज करने के बजाय पारदर्शिता, संस्थागत विश्वसनीयता और संवाद के माध्यम से जनता के विश्वास को मजबूत करना चाहिए। लोकतंत्र में विश्वास केवल भाषणों से नहीं, संस्थाओं के व्यवहार से बनता है। भारत आज विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह बना रहा है और वैश्विक मंचों पर उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में देश की आंतरिक राजनीतिक लड़ाई को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ले जाना एक ऐसी परंपरा को जन्म दे सकता है जिसका भविष्य में दुरुपयोग किसी भी दल के विरुद्ध हो सकता है। आज यदि सत्ता पक्ष के विरुद्ध विदेशी हस्तक्षेप स्वीकार्य बना दिया गया, तो कल यही हथियार किसी दूसरे राजनीतिक दल के विरुद्ध इस्तेमाल हो सकता है। इसलिए यह प्रश्न कांग्रेस बनाम भाजपा का नहीं, बल्कि भारत बनाम राजनीतिक अवसरवाद का होना चाहिए। 'भारत समिट' सचमुच भारत को विश्व के साथ संवाद का नया मंच बनाता है तो उसका स्वागत होना चाहिए। लेकिन यदि भारत के नाम पर आयोजित मंच भारत की घरेलू राजनीतिक लड़ाई को विदेशी हस्तक्षेप का माध्यम बना देता है, तो उसकी आत्मा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। भारत को विदेशी विचारों से डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन भारत की राजनीतिक नियति तय करने का अधिकार केवल भारत की जनता को होना चाहिए। सत्ता किसी विदेशी समर्थन से नहीं, लोकतांत्रिक जनादेश से मिलती है और जाती है। अंततः लोकतंत्र की असली शक्ति यही है कि हम सरकार की कठोर आलोचना कर सकें, विपक्ष के तर्कों को सुन सकें, विदेशी विचारों से संवाद कर सकें, लेकिन निर्णायक अधिकार भारतीय नागरिक के हाथ में रहे। भारत की राजनीति में मतभेद रहें, मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन संप्रभुता से समझौता न हो। सत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा हो, लेकिन राष्ट्रहित की सीमा लांघकर नहीं। क्योंकि सरकार बदल सकती है, राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं, चुनावी परिणाम बदल सकते हैं, लेकिन भारत की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक संप्रभुता किसी भी दल की राजनीतिक रणनीति से बड़ी है। यही भारत की लोकतांत्रिक मर्यादा है और यही उसकी राष्ट्रीय शक्ति भी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

मौत की जर्जर इमारतें

पिछले कुछ समय से दिल्ली में जर्जर इमारतों से होने वाले हादसों में मौतों का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसमें अनेक निर्दोष लोगों की जान असमय चली जाती है। विडंबना यह है कि इन बड़े हादसों के बाद सत्ताधीशों व राजनेताओं की बयानबाजी ही सामने आती है। फिर अगले हादसे तक खामोशी ओढ़ ली जाती है। बड़े-बड़े दावों के बीच 'ट्रिपल इंजन सरकारें' भी जर्जर भवनों के हादसे रोक पाने में असहाय नजर आ रही हैं। इन हादसों के बावजूद निर्माण संबंधी नियमों को सख्ती से लागू करने की पहल होती नजर नहीं आती है। वहीं दूसरी ओर लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों और अधिकारियों की कोई जवाबदेही भी तय नहीं की जाती। ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि आपराधिक लापरवाही के लिये किसी दोषी को दंडित किया गया हो। साथ ही बिल्डिंग बायलॉज के उल्लंघन के मामले में भी तंत्र की तरफ से कोई गंभीर कार्रवाई होती नजर नहीं आती। मंगलवार को शाहदरा के ज्वाला नगर में एक इमारत ढह गई, जिसमें एक तीन साल के बच्चे समेत दो लोगों की जान चली गई। कुछ लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका बना हुई थी। दुखद ही है कि ऐसी दुर्घटनाओं की सूची दिन-ब-दिन लंबी होती जा रही है। सितंबर में तब काफी बवाल मचा था जब सत्य निकेतन की पांच मंजिला इमारत ढह गई थी। जिसमें पेइंग गेस्ट के तौर पर रह रहे पांच छात्रों समेत सात लोगों की मौत हो गई थी। तब क्योंकि छात्र आंदोलन का दौर चल रहा था तो छात्रों के गुस्से के मद्देनजर बड़ी-बड़ी घोषणाएं हुई और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। लेकिन कुछ दिनों के बाद 'वही ढाक के तीन पात' वाली स्थिति सामने आई। बीते अक्टूबर में भी सीमापुरी में जमीन धंसने से चार लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह पांच नवंबर को चावड़ी बाजार हादसे में सात लोगों की मौत हो गई थी।

दुखद यह है कि दुर्घटनाओं का यह अंतहीन सिलसिला लगातार जारी है। उल्लेखनीय है कि मई और जुलाई में भी सैदुलजाब और रोहिणी में ऐसी घटनाएं देखने को मिली। पिछले हफ्ते पहाड़गंज में एक निर्माण स्थल पर छत ढह गई थी। लेकिन गनीमत रही है कि चमत्कारिक रूप से किसी की जान नहीं गई। बहरहाल, बार-बार होने वाली ये त्रासदियां यह स्पष्ट कर देती हैं कि राजधानी में असुरक्षित इमारतें- अब चाहे वे कॉमर्शियल हों या रिहायशी, पुरानी हों या निर्माणाधीन, अधिकृत हों या अनधिकृत- मौत का जाल बनती जा रही हैं। वहीं दूसरी ओर इन हादसों की जवाबदेही तय करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। लंबे समय से यह स्थिति बनी हुई है। पुरानी जर्जर इमारतों की अनदेखी, निर्माण के तौर-तरीकों में आपराधिक लापरवाही, सुरक्षा जांच में कमी और प्रशासनिक लापरवाही के चलते बार-बार लोगों की जान जोखिम में डाला जाना बदस्तूर जारी है। इसमें दो राय नहीं कि यह प्रशासन की विफलता है। विडंबना यह है कि स्थानीय प्रशासन व नगर निकाय घटना के बाद कार्रवाई- मसलन मलबे की जांच करने, चंद अधिकारियों के निलंबन या प्राथमिकी दर्ज करने तक सीमित रह जाता है। वास्तव में होना यह चाहिए कि उन इमारतों को चिन्हित किया जाए, जो खतरनाक साबित हो सकती हैं। ताकि समय रहते कार्रवाई करके लोगों की जान बचायी जा सके। बाद में कार्रवाई करने से ज्यादा जरूरी है कि ऐसी आपदाओं की पुनरावृत्ति ही न हो। सही मायने में दिल्ली में असुरक्षित व जर्जर इमारतों के सुरक्षा ऑडिट की तत्काल जरूरत है। वास्तव में इन इमारतों की निगरानी किसी स्वतंत्र एजेंसी द्वारा करायी जानी चाहिए। इसी क्रम में जोखिम की स्थिति वाली इमारतों की पहचान की जानी चाहिए। साथ ही उन बिल्डिंगों में रहने वाले लोगों के लिये वैकल्पिक आवासों की व्यवस्था भी की जानी चाहिए। इसके अलावा जरूरी है कि निर्माण संबंधी नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। इसके साथ ही लापरवाही बरतने वाले मकान मालिकों,ठेकेदारों और अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाए। इसके अलावा बिल्डिंग बॉयलॉज के व्यापक उल्लंघन से निपटने के लिये सख्त कार्रवाई की भी जरूरत है।

सूक्ति

जबतक कष्ट सहने की तैयारी नहीं होती तब तक लाभ दिखाई नहीं देता।
लाभ की इमारत कष्ट की धूप में ही बनती है।
– विनोबा भावे

कविता वह सुरंग है जिसमें से गुज़र कर मनुष्य एक विश्व को छोड़ कर दूसरे विश्व में प्रवेश करता है।
– रामधारी सिंह दिनकर

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

धर्मनिष्ठ सत्ता और ज़हरीले पानी में धर्मावलम्बी?



निर्मल रानी

स्विट्ज़रलैंड की वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था एयर आईक्यू की 2026 में जारी हुई वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली दुनिया का चौथा सबसे प्रदूषित शहर और लगातार आठवें वर्ष विश्व की सबसे प्रदूषित राजधानी रही। नवंबर 2026 के दूसरे सप्ताह विशेषकर 7 नवंबर और 13-16 नवंबर के दौरान एयर आईक्यू की लाइव रैंकिंग में दिल्ली कई बार लाहौर, कोलकाता और ढाका को पीछे छोड़कर दुनिया का प्रथम सबसे प्रदूषित प्रमुख शहर बन गया। इस दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों में दिल्ली का औसत AQI 400 के पार अर्थात गंभीर श्रेणी तक पहुंच गया, जबकि दिल्ली यूनिवर्सिटी और आईटीओ जैसे कुछ इलाक़ों में यह 450 से ऊपर दर्ज किया गया।और इसी घोर प्रदूषित राजधानी में गत दिनों उत्तर भारत विशेषकर बिहार का सर्वाधिक लोकप्रिय धार्मिक व सामाजिक त्यौहार छठ मनाया गया। वर्तमान में केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम तीनों ही स्तरों पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। गोया दिल्ली में ट्रिपल इंजन की सरकार चल रही है। नवंबर 2026 में छठ महापर्व के आयोजन को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली सरकार ने दिल्ली वासियों ख़ासकर छठ पूजा हेतु श्रद्धालुओं को साफ़ यमुना जल उपलब्ध कराने, दिल्ली के 1,400 से अधिक घाटों के निर्माण और अभूतपूर्व नागरिक सुविधाओं के बड़े दावे किए थे। सरकार का मुख्य ज़ोर इस बात पर था कि इस वर्ष श्रद्धालुओं को बिना किसी गंदिगी या ज़हरीले झाग के, भव्य रूप से पूजा करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने छठ पूजा से ठीक पहले यह भी दावा किया था कि बीजेपी सरकार की तैयारियों के तहत यमुना का पानी साफ़ है और इसमें कोई गंदगी या झाग नहीं है। उन्होंने कहा था कि इस बार व्रती महिलाएं स्वच्छ यमुना जल में ही सूर्य देव को अर्घ्य देंगी। दिल्ली सरकार ने यह भी दावा किया था कि यमुना नदी के पानी को पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल (इको-फ्रेंडली) उपचारित किया जा रहा है, जिससे पानी या जलीय जीवों पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। सरकार ने राजधानी भर में लगभग 1,482 छठ घाट तैयार करने का दावा किया था जो पिछले वर्ष के 1,326 घाटों की तुलना में अधिक थे। सभी बुनियादी तैयारियां 6 नवंबर 2026 तक पूरी करने के निर्देश दिए गए थे। उत्तरी दिल्ली में आउटर रिंग रोड से इंद्रलोक तक मुनक नहर के दोनों किनारों पर लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत से 11 किलोमीटर लंबा भव्य छठ घाट बनाने और उसमें साफ़ पानी छोड़ने का दावा किया गया था। सरकार ने सभी घाटों पर स्वच्छता, निर्बाध बिजली, रोशनी, पीने के पानी, मोबाइल शौचालय, चेंजिंग रूम और चिकित्सा सुविधाओं के पुख़्ता प्रबंध किये जाने का दावा भी किया था।

परन्तु नए कृत्रिम या नहर घाटों के निर्माण के मोर्चे पर तो सरकार अपने कई दावों को पूरा करने में कुछ हद तक सफल ज़रूर रही परन्तु यमुना नदी को पूरी तरह साफ़ और झाग-मुक्त बनाने का उसका सबसे प्रमुख दावा ज़मीनी स्तर पर पूरा नहीं हो सका। ग़ौरतलब है कि सरकार ने दावा किया था कि छठ पूजा के दौरान इस बार यमुना नदी में ज़हरीला सफ़ेद झाग नहीं दिखेगा। 15 और 16 नवंबर 2026 को छठ पूजा के संध्या और उषा अर्घ्य के दौरान कालिंदी कुंज सहित यमुना के कई हिस्सों में श्रद्धालु कमर तक गहरे पानी और सफेद झाग की मोटी परतों के बीच पूजा करते नजर आए। दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने स्वयं स्वीकार किया कि कालिंदी कुंज के बड़े हिस्सों में झाग तैरता हुआ दिखाई दिया। नदी में बिना उपचारित सीवर के पानी, औद्योगिक कचरे और डिटर्जेंट के मिलने से पानी की सतह पर इसतरह का ज़हरीला सफ़ेद झाग बनता है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के आंकड़ों के हवाले से बताया गया कि यमुना के प्रमुख घाटों का पानी नहाने योग्य मानकों पर खरा नहीं उतरा। हद तो यह कि छठ से ठीक पहले वज़ीराबाद और सोनिया विहार के पास नदी में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलने और काले व प्रदूषित पानी की तस्वीरों ने स्वच्छ यमुना जल के दावों पर और भी गंभीर सवाल खड़े कर दिये। शालीमार बाग़ के कुछ हिस्सों, कई रिहायशी घाटों व कुछ स्थानीय इलाक़ों में सफ़ाई की भारी कमी, प्लास्टिक के कचरे और अपर्याप्त रोशनी को लेकर स्थानीय लोगों ने शिकायतें दर्ज कराईं।

परन्तु श्रद्धालुओं के ज़हरीले पानी में डुबकी लगाने पर अफ़सोस जताने या इस दुर्व्यवस्था के लिये सरकार की ज़िम्मेदारी स्वीकार करने के बजाये मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कई घाटों पर छठ पर्व को भव्य बनाने के लिए प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा और सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि पिछली आप सरकार ने यमुना किनारे छठ पूजा पर प्रतिबंध लगाया था, जबकि वर्तमान बीजेपी सरकार ने 1,400 से अधिक घाटों पर रेड कार्पेट बिछाकर भव्य इंतज़ाम किए। बीजेपी ने यह भी दावा किया कि उनकी सरकार ने पिछले डेढ़ से दो वर्षों में यमुना नदी का आधे से अधिक हिस्सा साफ़ कर दिया है, जो काम कांग्रेस और आप दशकों में नहीं कर पाईं। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने तो यह आरोप लगाया कि विपक्षी दल और कुछ अज्ञात लोग छठ पर्व से पहले सरकार की छवि ख़राब करने के लिए जानबूझकर यमुना नदी में मरी हुई मछलियां डाल रहे थे। सोशल मीडिया पर विपक्ष के अलावा भी अनेक लोगों ने यमुना के झाग भरे ज़हरीले पानी में पूजा करने हेतु खड़ी महिला श्रद्धालुओं के वीडियो साझा करते हुए लिखा कि यही यमुना की असली हक़ीक़त है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर निशाना साधते हुए लोगों ने कहा कि यमुना की सफ़ाई के नाम पर केवल झूठे वादे और प्रचार किए गए, जिसके कारण श्रद्धालु ज़हरीले पानी में छठ मनाने को मजबूर हैं। कुछ विपक्षी नेताओं ने मरी हुई मछलियों का वीडियो जारी करते हुए कहा कि नदी में अत्यधिक प्रदूषण के कारण हज़ारों मछलियों की मौत हुई है और सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए विपक्ष पर बेबुनियाद आरोप लगा रही है। कांग्रेस ने भी यमुना में तैरते ज़हरीले झाग की तस्वीरें साझा कर केंद्र और दिल्ली की बीजेपी सरकार पर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और स्वास्थ्य के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने कहा कि ये तस्वीरें यमुना की सफ़ाई को लेकर किए गए सरकारी दावों की पोल खोलती हैं।

निःसंदेह दिल्ली की बढ़ती आबादी के कारण यमुना नदी की स्वच्छता किसी भी सरकार के लिये एक बड़ी चुनौती है। परन्तु यह भी सच है कि देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया ने पहली बार किसी स्वयंभू धर्मनिष्ठ सत्ता और उसके द्वारा किये गये लंबे चौड़े वादों के बीच इस क़द्र झागयुक्त ज़हरीले पानी में श्रद्धालु धर्मावलंबियों को छठ के अवसर पर डुबकी लगाते हुये देखा।

इंदिरा गांधी: जिनके फैसलों ने बदल दी भारत की राजनीतिक तस्वीर



योगेश कुमार गोयल

विश्व राजनीति में भारत की बुलंद आवाज थी इंदिरा गांधी...

पं. जवाहरलाल नेहरू के घर 19 नवम्बर 1917 को जब प्रियदर्शिनी नामक कन्या ने जन्म लिया था तो किसे पता था कि यही कन्या आगे चलकर न केवल इस देश की बागडोर संभालेगी बल्कि अपनी दबंगता से पूरी दुनिया में मिसाल बन जाएगी। ऑक्सफोर्ड और स्विट्जरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्ति के पश्चात् इंदिरा गांधी ने उच्च पद पर नौकरी करने या कोई अन्य कार्य करने के बजाय अपना जीवन देशसेवा में समर्पित करने का निश्चय किया। देशभक्ति की भावना इंदिरा जी में बचपन से ही कूट-कूटकर भरी थी। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के आव्हान से प्रेरित होकर बचपन में ही इन्होंने अपने घर के बाहर अपने कीमती कपड़ों की होली जलाकर न केवल अपनी इसी भावना का परिचय दिया था बल्कि उसके बाद इंदिरा जी से प्रेरणा लेकर इस आन्दोलन ने पूरे देश में जोर पकड़ा था।

इंदिरा जी के स्कूली दिनों में एक दिन स्कूल में गांधी जी के आमरण अनशन को लेकर एक सभा का आयोजन था, जिसमें बच्चों को भी बोलने का अवसर दिया गया था। जब इंदिरा जी ने बोलना शुरू किया तो सभागार में सन्नाटा छा गया और सभी एकटक इंदिरा को निहारने लगे कि इतनी छोटी बालिका इतनी गूढ़ बातें कैसे कर रही है। उन्होंने कहा, ''आखिर स्वर्ण अपने ही दलित भाईयों को गिरा हुआ, छूत और निकृष्ट क्यों समझते हैं तथा उनके साथ दुर्व्यवहार और अत्याचार क्यों करते हैं? अगर हमने अपनी ही सेवा करने वालों का इस तरह से निरन्तर तिरस्कार न किया होता तो आज अंग्रेजों को इस प्रकार लाभ उठाने का अवसर न मिल रहा होता और न ही बापू को इस तरह से आमरण अनशन कर अपने प्राण दांव पर लगाने पड़ते।'' इंदिरा जी की इन गूढ़ और तर्कसम्मत बातों के समक्ष सभी नतमस्तक थे और उनकी सराहना कर रहे थे। इंदिरा में बचपन से ही एक अच्छी राजनेता होने के तमाम गुण विद्यमान थे। 21 वर्ष की आयु में वह कांग्रेस में शामिल होकर सक्रिय राजनीति में कूद पड़ी। उसके बाद उन्होंने आजादी के आन्दोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

1942 में उन्होंने फिरोज गांधी से प्रेम विवाह किया किन्तु 1960 में फिरोज गांधी का अकस्मात् निधन हो गया। पिता जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद देश की बागडोर संभालने की जिम्मेदारी इंदिरा के कंधों पर आई तो अपनी दृढ़ता, दबंगता, निडरता और वाकपटुता से उन्होंने दुनियाभर को अपना लोहा मानने को विवश कर दिया। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित एवं प्रभावशाली देशों में भी उनकी तूती बोलती थी। 1966 से 1977 तक उन्होंने देश पर एकछत्र शासन किया और उनकी कार्यशैली तथा देश के प्रति उनका समर्पण भाव देखकर विरोधी भी उनकी सराहना किए बिना नहीं रह पाते थे। हालांकि लालबहादुर शास्त्री के बाद प्रधानमंत्री बनी इंदिरा को शुरूआती दौर में 'गूंगी गुड़िया' की उपाधि दी गई थी किन्तु बहुत ही कम समय में अपने साहसिक निर्णयों से इंदिरा ने साबित कर दिखाया था कि वो एक 'गूंगी गुड़िया' नहीं बल्कि 'लौह महिला' हैं।

बैंकों के राष्ट्रीयकरण तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की शानदार जीत के बाद इंदिरा जी जनमानस की आंखों का तारा बन गई थी किन्तु 1975-77 के आपातकाल ने उनकी छवि पर ग्रहण लगाने में प्रमुख भूमिका निभाई और उस दौर ने उनकी छवि एक तानाशाह के रूप में स्थापित कर दी। यही वजह रही कि 1977 में इंदिरा को पहली बार हार का सामना करना पड़ा और सत्ता उनके हाथ से छिन गई किन्तु निराश होना तो जैसे उन्होंने सीखा ही नहीं था, इसलिए 1980 में एक बार फिर विशाल बहुमत के साथ वह सत्ता में लौटी। अपने शासनकाल में उन्होंने कभी अलगाववादी व साम्प्रदायिक आग भड़काने वाले तत्वों को नहीं पनपने दिया। ऐसे तत्वों को उन्होंने बेदर्दी से कुचलने में जरा भी देर नहीं लगाई।

1980 में पुनः देश का शासन संभालने के बाद पंजाब में अलगाववादी ताकतों ने खालिस्तान की मांग शुरू की और दूसरे देशों की शह पर अपने नापाक इरादों को सफल बनाने के लिए सिख अलगाववादियों ने भयानक नरसंहार का दौर शुरू किया तथा पंजाब में अवैध रूप से हथियारों के जखीरे इकट्ठा करने शुरू कर दिए। देश की जांबाज, निडर एवं साहसी नेता इंदिरा को भला यह कैसे सहन होता, इसलिए जैसे ही उन्हें खबर मिली कि सिख अलगाववादियों ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर जैसी पाक जगह में भी हथियारों का विशाल जखीरा इकट्ठा किया है तो उन्हें देश की एकता और अखंडता कायम रखने तथा अलगाववादियों के मंसूबों पर पानी फेरने के लिए इस पवित्र धर्मस्थल के भीतर न चाहते हुए भी 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के तहत पुलिस भेजने का सख्त निर्णय लेना पड़ा। हालांकि उस वक्त स्वर्ण मंदिर के भीतर पुलिस बल भेजने के उनके फैसले की बहुत आलोचना हुई किन्तु जब स्वर्ण मंदिर से हथियारों का बहुत बड़ा जखीरा बरामद हुआ और धार्मिक स्थल की आड़ में चल रही इस राष्ट्र विरोधी साजिश का भंडाफोड़ हुआ तो उन्हीं लोगों ने इंदिरा जी की सराहना भी की। उसके बाद इंदिरा ने जिस दिलेरी और दृढ़ता के साथ अलगाववादियों को रौंदा, वह एक मिसाल बन गया लेकिन अलगाववादियों के विरूद्ध चलाए गए उनके इसी ऑपरेशन की वजह से ही वह उनकी हिट लिस्ट में सबसे ऊपर आ गई, जिन्होंने हर हाल में उनकी हत्या कर उन्हें अपने मार्ग से हटाने की ठान ली।

इंदिरा जी को स्वयं अपनी मौत का आभास पहले ही हो गया था लेकिन फिर भी वह अपने दृढ़ इरादों से टस से मस न हुई और अलगाववादियों के खिलाफ अपना अभियान पहले से भी तेज कर दिया। 30 अक्तूबर 1984 को भुवनेश्वर की एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए इंदिरा ने अपनी हत्या का पूर्वाभास होने का स्पष्ट संकेत देते हुए कहा था, ''देश की सेवा करते हुए यदि मेरी जान भी चली जाए तो मुझे गर्व होगा। मुझे भरोसा है कि मेरे खून की एक-एक बूंद देश के विकास में योगदान देगी और देश को मजबूत एवं गतिशील बनाएगी।''

इंदिरा जी के इस भाषण के चंद घंटों बाद ही 31 अक्तूबर 1984 की सुबह करीब सवा नौ बजे उनके दो निजी अंगरक्षकों ने ही उन्हें उस वक्त गोलियों से छलनी कर दिया, जब वह अपने आवास से निकलकर विदेशी मीडिया को इंटरव्यू देने जा रही थी। उस हत्याकांड से जहां पूरे देश में शोक की लहर छा गई, वहीं दूसरी ओर इंदिरा जी का शहीदी रक्त रंग लाया और इस नृशंस हत्याकांड के बाद सिख अलगाववादियों को मदद मिलनी बंद हो गई तथा इंदिरा जी की शहादत के साथ ही खालिस्तान की मांग भी गहरे दफन हो गई। इंदिरा जी अक्सर कहा करती थी कि उन कायरों और बुजदिलों पर मातम करो, जो दुनिया के जुल्मों से घबराकर इस तरह आंखें बंद कर लेते हैं, जैसे कि कुछ हुआ ही न हो।

जनगणना 2027 के स्व-गणना अभियान को लेकर पुलिस अधिकारियों से की मुलाकात





बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- भारत की जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत स्व-गणना अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अपर जिलाधिकारी एवं जिला जनगणना अधिकारी सत्यप्रिय सिंह ने पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी और अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार रावत से शिष्टाचार भेंट की।

इस दौरान जिला जनगणना अधिकारी सत्यप्रिय सिंह ने दोनों पुलिस अधिकारियों से वर्दीधारी बल दिवस के अवसर पर स्व-गणना थीम डे के तहत जनपद के समस्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की सामूहिक स्व-गणना कराने की अपील की।

उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों से स्व-गणना पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर प्रक्रिया पूर्ण करने का आह्वान किया।

साथ ही पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के माध्यम से आमजन को भी स्व-गणना के प्रति जागरूक और प्रेरित करने पर जोर दिया गया। इसका उद्देश्य जनगणना 2027 के स्व-गणना अभियान में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है।

परिवार परामर्श केंद्र में 49 पत्रावलियों की सुनवाई कर छह परिवारों को फिर से मिलाया





चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- चंदौसी के गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी में पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह समझौता केंद्र की बैठक परामर्श केंद्र प्रभारी एवं महिला थानाध्यक्ष डॉ. रुकम पाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी के आदेश तथा अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण मनोज रावत और क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह के निर्देशन में आयोजित बैठक में पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को काउंसलरों के सहयोग से सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित कराने का प्रयास किया गया।

बैठक में कुल 49 पत्रावलियों की सुनवाई की गई। इनमें से 24 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया। छह परिवारों के बीच आपसी सहमति बनने पर उन्हें दोबारा मिलाया गया। वहीं दो पत्रावलियों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई। इसके अलावा 16 पत्रावलियों में आवेदकों की ओर से पैरवी नहीं किए जाने अथवा अन्य कारणों से कार्रवाई बंद कर दी गई।बैठक में काउंसलर श्वेता गुप्ता पूनम अरोरा और संगीता भार्गव के साथ उपनिरीक्षक महेश गंगवार रेनू राठी हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह और महिला हेड कांस्टेबल रुचि सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

हेलमेट और सीट बेल्ट का महत्व समझाया, नाबालिगों को वाहन न चलाने की दी सलाह



सम्भल(सब का सपना):- यातायात माह नवंबर के अंतर्गत बुधवार को सम्भल स्थित एंजेल्स पब्लिक स्कूल में यातायात पुलिस की ओर से सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी देकर सुरक्षित आवागमन के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपाय बताते हुए यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई।

पुलिस अधीक्षक एवं अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन, क्षेत्राधिकारी यातायात के मार्गदर्शन तथा प्रभारी यातायात निरीक्षक दुष्यंत बालियान के नेतृत्व में मुख्य आरक्षी सोनू कुमार ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। वाहन को निर्धारित गति सीमा में चलाएं और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। इसके अलावा नाबालिग बच्चों को वाहन न चलाने देने तथा सड़क पार करते समय दोनों ओर देखकर सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि यातायात नियमों का पालन करना केवल कानूनी बाध्यता नहीं है, बल्कि स्वयं और दूसरों के जीवन की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी है। थोड़ी सी लापरवाही गंभीर सड़क दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को यातायात नियमों का पालन अपनी आदत में शामिल करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ समस्त शिक्षकगणों को भी यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई।

साथ ही बच्चों को अपने परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर संजय गुप्ता, विद्यालय के प्रिंसिपल सहित समस्त शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। यातायात पुलिस का उद्देश्य विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बनाना तथा जागरूकता अभियान के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है।

निर्माण श्रमिकों का शत-प्रतिशत पंजीकरण कराकर पात्रों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाएं : मुख्य विकास अधिकारी



बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में जिला श्रम बंधु समिति बाल श्रम उन्मूलन समिति और जिला स्तरीय बंधुआ श्रम सतर्कता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्माण श्रमिकों के पंजीकरण और श्रम कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र श्रमिकों तक पहुंचाने के साथ ही बाल श्रम एवं बंधुआ श्रम की रोकथाम को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में लगे सभी श्रमिकों का शत-प्रतिशत पंजीकरण कराया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र श्रमिकों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। सहायक श्रमायुक्त राम लखन पटेल ने बताया कि जनपद में संचालित निर्माण कार्यों और उनमें लगे श्रमिकों का पंजीकरण अनिवार्य है। श्रमिक अपने नजदीकी जनसेवा केंद्र के माध्यम से भी पंजीकरण करा सकते हैं।

बैठक में अधिष्ठानों एवं संविदाकारों के पंजीकरण और श्रमिकों के हित में लेबर सेस जमा कराने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों को प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना और ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से असंगठित क्षेत्र के कामगारों का पंजीकरण कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही निर्माण श्रमिकों के लिए संचालित मातृत्व एवं शिशु हितलाभ योजना कन्या विवाह योजना संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना गंभीर बीमारी सहायता योजना मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना महात्मा गांधी पेंशन योजना और अटल आवासीय विद्यालय योजना की जानकारी पात्र श्रमिकों तक पहुंचाने को कहा गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने बाल श्रम उन्मूलन को लेकर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए कहा कि जनपद में कहीं भी बाल श्रम का मामला सामने आने पर संबंधित प्रतिष्ठानों एवं सेवायोजकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। बंधुआ श्रम की रोकथाम के लिए भी अधिकारियों और समिति सदस्यों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। सहायक श्रमायुक्त ने बंधुआ श्रम उन्मूलन अधिनियम 1976 के प्रावधानों की जानकारी दी और विशेष रूप से ईंट भट्ठों पर निगरानी रखने की अपील की।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि श्रमिकों के पंजीकरण में तेजी लाने के लिए विभिन्न विभाग आपसी समन्वय से जागरूकता अभियान चलाएं और पंजीकरण शिविर आयोजित करें। इससे अधिक से अधिक श्रमिकों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जा सकेगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को सक्रिय भागीदारी निभाने के निर्देश दिए।

बैठक में सहायक श्रमायुक्त राम लखन पटेल अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज विश्नोई एलडीएम ललित कुमार राय डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार श्रम प्रवर्तन अधिकारी सम्भल एवं चन्दौसी गौरव गुप्ता ललित कुमार पुष्पेन्द्र कुमार सिंह हरद्वारी लाल गौतम संगीता भार्गव अमित गौतम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और समिति सदस्य मौजूद रहे।

कार्तिक पूर्णिमा मेले को लेकर संभल पुलिस अलर्ट, एसपी ने भारी पुलिस बल के साथ किया फ्लैग मार्च

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक ने परखी तैयारियां, अराजक तत्वों पर रहेगी कड़ी नजर





सम्भल (सब का सपना):- जनपद में आगामी 24 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर आयोजित होने वाले मेले एवं स्नान पर्वों को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी ने भारी पुलिस बल के साथ विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं के सुरक्षित एवं सुगम आवागमन के साथ यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेले एवं स्नान पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

एसपी ने कहा कि मेले और स्नान पर्वों के दौरान पुलिसकर्मी पूरी सतर्कता के साथ अपनी ड्यूटी निभाएं।

संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल तैयार रहे। वहीं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अराजक तत्वों द्वारा प्रसारित की जाने वाली भ्रामक एवं आपत्तिजनक पोस्टों पर भी पुलिस की पैनी नजर रहेगी। आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ प्रभावी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

इसके अलावा जनपद के विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से कंट्रोल रूम से लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

फ्लैग मार्च के दौरान क्षेत्राधिकारी सम्भल सहित आसपास के थाना प्रभारी एवं भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे। सम्भल पुलिस द्वारा कार्तिक पूर्णिमा एवं स्नान पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सकुशल संपन्न कराने के लिए व्यापक सुरक्षा एवं यातायात प्रबंध किए जा रहे हैं।

पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ दिलाने के लिए लंबित आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण करें



बहजोई सम्भल (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में बैंकों से संबंधित योजनाओं की प्रगति और लंबित आवेदनों की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन में हुई बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने की।

बैठक में प्रभारी परियोजना अधिकारी डूडा एवं नेडा तथा डिप्टी कलेक्टर रामानुज ने योजना की प्रगति और उससे जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी। इसके बाद मुख्य विकास अधिकारी ने विभिन्न बैंकों में लंबित आवेदनों की बैंकवार समीक्षा की। उन्होंने केनरा बैंक भारतीय स्टेट बैंक पंजाब नेशनल बैंक इंडियन बैंक बैंक ऑफ बड़ौदा और सेंट्रल बैंक सहित अन्य बैंकों में आवेदनों की स्थिति जानी।मुख्य विकास अधिकारी ने स्वीकृत आवेदनों के सापेक्ष लाभार्थियों को ऋण वितरण की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वीकृत प्रकरणों में ऋण वितरण की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और आवेदकों को समय पर योजना का लाभ दिलाया जाए।

बैठक में बैंकवार अस्वीकृत आवेदनों पर भी चर्चा हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने विभागीय अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों से कहा कि हर अस्वीकृत आवेदन के कारणों की गहन जांच की जाए और उसकी स्पष्ट जानकारी प्राप्त की जाए। उन्होंने जोर दिया कि पात्र आवेदकों के आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित या अस्वीकृत नहीं रहने चाहिए। सभी प्रकरणों का नियमों के अनुसार समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में डिप्टी कलेक्टर रामानुज जिला अग्रणी प्रबंधक केनरा बैंक ललित राय नगर पालिका और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी टक्कर, दंपति समेत तीन घायल





हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर-गजरौला मार्ग पर मनौटा गांव के निकट तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार दंपति और उनकी मां गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस फरार कार चालक की तलाश में जुटी है।

बता दें कि जानकारी के मुताबिक, हापुड़ जिले के सिंभावली थाना क्षेत्र के बक्सर गांव निवासी परवीन अपनी पत्नी शारदा और मां मोगावती के साथ बाइक से हसनपुर की ओर आ रहे थे। इसी दौरान मनौटा गांव के पास पीछे से आई एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए।हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने एंबुलेंस की सहायता से तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हसनपुर पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार कार चालक तथा वाहन की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

गुणवत्ता ही जुबिलेंट की सबसे बड़ी पहचान:- यूनिट हेड

विश्व क्वालिटी कंट्रोल वीक के समापन पर कर्मियों को किया पुरस्कृत





गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड के यूनिट हेड विनोद झा ने कहा कि बाजार में बने रहने के लिए गुणवत्ता सबसे महत्वपूर्ण है। इसके बगैर प्रतिस्पर्धा में हिस्सा नहीं लिया जा सकता है। यह गौरव की बात है कि गुणवत्ता के कारण ही जुबिलेंट के उत्पाद चीन एवं अन्य देशों में भी निर्यात किए जा रहे हैं।

बता दें कि बुधवार को विश्व क्वालिटी कंट्रोल सप्ताह के समापन पर जुबिलेंट में आफीसर्स क्लब में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत यूनिट हेड विनोद झा ने क्वालिटी कंट्रोल टीम के अधिकारियों के संग दीप प्रज्जवलित करके की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बाजार में बने रहने के लिए क्वालिटी पर ध्यान देना सबसे अधिक जरूरी है। यदि क्वालिटी कमजोर हुई अथवा इससे समझौता किया गया तो फिर पतन तय है।

उन्होंने कहा कि जुबिलेंट गुणवत्ता और सुरक्षा दोनों के मापदंडों पर पूरी पारदर्शिता से कार्य करती है। पूरी टीम इसके लिए बधाई की पात्र है। कार्यक्रम के दौरान जुबिलेंट के विभिन्न विभागों की टीम को पुरस्कृत भी किया गया।

संचालन अर्चना ने किया। इस मौके क्वालिटी हेड (कार्पोरेट) संजीव कुमार, अनुराग कृष्णन, पराग गोयल, निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, सुनील सिंह, विनय शुक्ला, डा.समीर सिंह, डा. सुजिंदर फोगाट, अमित पांडे. अरविंद कुमार आदि भी मौजूद रहे।

बता दें कि जुबिलेंट में वर्ल्ड क्वालिटी वीक की शुरूआत नौ नवंबर को हुई थी। पूरे सप्ताह विभिन्न गतिविधियों के साथ ही प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया था।

सब का सपना की पड़ताल में खुली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ढवारसी की पोल, डॉक्टर सहित आधे से ज्यादा स्टाफ मिला नदारद

इलाज के नाम पर हो रही खानापूर्ति, ईलाज के लिए मरीजों को जाना पड़ता हैं 15 किलोमीटर दूर



ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर तहसील क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ढवारसी में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का बुरा हाल है। सब का सपना की टीम द्वारा की गई पड़ताल में अस्पताल की बदहाली खुलकर सामने आ गई। पड़ताल के दौरान अस्पताल में डॉक्टर सहित आधे से ज्यादा स्टाफ नदारद मिला। इलाज के नाम पर केवल खानापूर्ति हो रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि अस्पताल में डॉक्टरों के न होने से क्षेत्र की जनता को इलाज कराने के लिए करीब 15 किलोमीटर दूर रहरा क्षेत्र जाना पड़ता है। दूर-दराज के गांवों से इलाज कराने आए मरीज व तीमारदार घंटों भटकने को मजबूर हैं। सरकारी अस्पताल होने के बावजूद लोगों को मजबूरी में निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है, जिससे गरीब जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अस्पताल में न तो समय पर डॉक्टर मिलते हैं और न ही दवाइयां। कई बार तो इमरजेंसी में भी कोई देखने वाला नहीं होता। वहीं जब पड़ताल के दौरान सब का सपना की टीम अस्पताल पहुंची तो स्टाफ ने टीम के साथ बदतमीजी की। स्टाफ ने पत्रकारों से अभद्र व्यवहार किया और सवाल पूछने पर टालमटोल करता रहा। जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी अपनी कुर्सी से गायब मिले। इससे साफ जाहिर होता है कि अस्पताल में अनुशासन नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। इसके अलावा अस्पताल परिसर में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। वार्ड, बरामदे और अस्पताल के बाहर साफ-सफाई का कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत अभियान को भी पलीता लग रहा है। गंदगी के कारण अस्पताल में संक्रमण फैलने का भी खतरा बना हुआ है। मरीजों के लिए बना अस्पताल खुद ही बीमारियों का अड्डा बनता जा रहा है। क्षेत्रीय जनता ने उच्चाधिकारियो से अस्पताल की व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराने, लापरवाह डॉक्टर व स्टाफ के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। वही जब इस पूरे मामले को लेकर सीएमओ अमरोहा से फोन पर बात की गई तो उन्होंने कहा कि जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। अब ऐसे में सवाल उठता है कि केवल जांच के नाम पर खाना पूर्ति ही होगी या फिर कुछ बदलाव होगा?

तिगरी मेला को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु एसपी ने नाव से गंगा घाटों का किया निरीक्षण, दिए निर्देश





गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- तिगरी मेला को सकुशल एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव द्वारा नाव के माध्यम से गंगा घाटों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने घाटों पर तैनात एसडीआरएफ, गोताखोरों एवं बचाव टीमों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी संबंधित टीमों को सतर्कता एवं आपसी समन्वय के साथ ड्यूटी करने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

तिगरी गंगा मेले को स्वच्छ रखने को लेकर कड़े इंतजाम, 24 सेक्टरों में तैनात सफाईकर्मी





अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के ऐतिहासिक तिगरी गंगा मेले को स्वच्छ और साफ-सुथरा रखने के लिए पंचायती राज विभाग ने कड़े इंतजाम किए हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी नितिन कुमार ने बताया कि मेले को कुल 24 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। इनमें से 15 सेक्टरों में सफाई कर्मचारियों को दो शिफ्टों में ड्यूटी पर लगाया गया है, जबकि शेष सेक्टरों की जिम्मेदारी नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों को सौंपी गई है। मेले परिसर में सफाई कर्मचारी और पंचायत सचिव निरंतर निगरानी रखते हुए साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। कूड़े-कचरे का नियमित निस्तारण किया जा रहा है ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण मिल सके। नितिन कुमार ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मां गंगा को स्वच्छ रखने में अपना सहयोग दें। किसी भी प्रकार का कूड़ा-कचरा गंगा नदी या मेला परिसर में इधर-उधर न फेंकें। डस्टबिन का सही उपयोग करें, ताकि गंगा मेला पूरी तरह साफ-सुथरा बना रहे।प्रशासन का प्रयास है कि इस ऐतिहासिक मेले में स्वच्छता के उच्च मानकों को बनाए रखा जाए। विभाग की ओर से नियमित निरीक्षण भी किए जा रहे हैं।

श्रद्धालुओं के सहयोग से मेला परिसर को स्वच्छ रखने का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत सुरक्षा जागरूकता गोष्ठी का आयोजन



अमरोहा (सब का सपना):- सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अमरोहा में सड़क सुरक्षा जागरूकता गोष्ठी का आयोजन। जिलाधिकारी नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के कुशल दिशानिर्देशन में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, अमरोहा के सभागार में सड़क सुरक्षा जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेफ ड्राईव रोड सेफ्टी फाउन्डेगशन अमरोहा के संस्थोपक जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य अनिल कुमार जग्गा, परिवहन विभाग से यात्री एवं मालकर अधिकारी सुधीर कुमार सिंह, यातायात उपनिरीक्षक दिनेश कुमार तथा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्राचार्या स्नेहलता वर्मा उपस्थित रहीं। गोष्ठी के दौरान छात्राओं को सड़क सुरक्षा के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विशेष रूप से सड़क संकेतक एवं चिह्नों की भाषा, यातायात नियमों एवं ड्राइविंग रेगुलेशंस, वाहन चलाते समय बरती जाने वाली सावधानियों तथा सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त छात्राओं को राह-वीर योजना ((Good Samaritan Scheme) एवं पीएम राहत योजना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की समय पर सहायता करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने तथा घायलों की मदद के लिए आमजन को आगे आने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें तथा अपने परिवारजनों, अभिभावकों एवं समाज के अन्य लोगों को भी हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, नाबालिग बच्चों को वाहन न चलाने देने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने के लिए जागरूक करें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। अंत में सभी छात्राओं एवं उपस्थित अतिथियों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया तथा सड़क सुरक्षा शपथ ग्रहण कराई गयी। तथा प्रचार सामग्री का वितरण किया गया तथा सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा, सुरक्षित चलें, सुरक्षित रहें। के नारे के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

ए.एस.एम इंटर कॉलेज के छात्र ने राष्ट्रीय एथलेटिक्स में जीते दो स्वर्ण व एक कांस्य



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के ए.एस.एम इंटर कॉलेज, खाता के छात्र-छात्राओं ने 70वीं राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर न केवल जनपद बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि ने कॉलेज और जिले को गौरवान्वित किया है। इस उपलक्ष्य में आज कॉलेज में विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कॉलेज प्रबंधक वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने मेडल विजेता छात्र पुष्पेंद्र कुमार का फूलमाला पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

उन्होंने पुष्पेंद्र को स्मृति चिह्न, 21,000 रुपये नकद तथा ट्रैक सूट देकर सम्मानित किया। समारोह में उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए प्रबंधक ने कहा कि सफलता के लिए निरंतर लगन, मेहनत और अनुशासन के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को पुष्पेंद्र से प्रेरणा लेने की सलाह दी। इस अवसर पर पुष्पेंद्र सिंह के कोच सुरेंद्र सिंह और जितेंद्र शर्मा भी मौजूद रहे। कोचों ने छात्र की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की। कॉलेज परिवार ने इस राष्ट्रीय सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे खिलाड़ी जिले की पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं। पुष्पेंद्र कुमार ने भी अपने कोचों, परिवार और कॉलेज प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। यह सफलता युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने लंबित मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के शिक्षकों ने उ०प्र० सरकार द्वारा बेसिक शिक्षा परिषदीय शिक्षकों एवं उनके आश्रितों के लिए प्रदान की गई कैशलेस चिकित्सा सुविधा का स्वागत करते हुए अन्य लंबित समस्याओं के शीघ्र निराकरण हेतु ज्ञापन सौंपा है।

संघ के प्रतिनिधियों ने कहा कि 1 अप्रैल 2005 अथवा उसके पश्चात नियुक्त शिक्षकों पर लागू नई पेंशन प्रणाली जोखिमपूर्ण है। अतः इसे समाप्त कर पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल की जाए।

साथ ही, 1 अप्रैल 2005 से पूर्व चयनित किंतु नियुक्ति या कार्यभार ग्रहण तिथि इसके बाद वाले शिक्षकों को भी पुरानी पेंशन का लाभ प्रदान किया जाए।

सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 1 सितंबर 2025 के आदेश द्वारा प्राथमिक शिक्षकों के लिए सेवा में बने रहने हेतु टीईटी अनिवार्य कर दिया गया है, जो पूर्वगामी प्रभाव वाला है।

शिक्षकों ने इस प्रभाव को समाप्त करने के लिए प्रदेश विधानसभा से प्रस्ताव पारित कर भारत सरकार को प्रेषित करने की अपील की है।

समस्त शिक्षकों के प्रमाणपत्रों की स्पेशल टास्क फोर्स द्वारा जांच को अनुचित बताते हुए इसे रोकने तथा केवल शिकायत वाले मामलों में सत्यापन कराने की मांग की गई।

प्रधानाध्यापक पद पर पदोन्नति, गैर-टीईटी शिक्षकों को निर्धारित शर्तों के साथ पदोन्नति, वर्ष 2020 में नियुक्त शिक्षकों के ब्रिज कोर्स में न्यूनतम 50 प्रतिशत उत्तीर्ण अंक की बाध्यता समाप्त करना, लंबित अंतर्जनपदीय स्थानांतरण सूची शीघ्र जारी करना, 12 वर्ष की सेवा पर चयन वेतनमान, मृतक शिक्षकों के योग्य आश्रितों को नियुक्ति, प्रत्येक विद्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की व्यवस्था तथा द्वितीय शनिवार व उपार्जित अवकाश जैसी मांगें भी ज्ञापन में शामिल की गई हैं।

शिक्षकों ने आगामी शीतकालीन अवकाश में स्थानांतरण प्रक्रिया पूर्ण करने का आग्रह किया है।

बाइक की टक्कर से लूना सवार 75 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

पीएचसी के गेट के सामने हुआ हादसा, दवाई लेने जा रहे थे बुजुर्ग, परिजनों में मचा कोहराम



नगीना/अमरोहा (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम महरातपुर कला उर्फ पुरैनी निवासी 75 वर्षीय बुजुर्ग की बुधवार दोपहर बाइक की टक्कर लगने से मौत हो गई। बुजुर्ग अपनी लूना विक्की से दवाई लेने पीएचसी जा रहे थे। अस्पताल के गेट के सामने ही हादसा हो गया।

जानकारी के अनुसार ग्राम महरातपुर कला उर्फ पुरैनी निवासी राम सिंह सैनी बुधवार दोपहर करीब दो बजे अपनी लूना विक्की से राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित पुरैनी से सेटी पीएचसी में दवाई लेने जा रहे थे। जैसे ही वह पीएचसी के गेट के सामने पहुंचे, तभी धामपुर की ओर से तेज गति से आ रही बाइक पर सवार दो युवकों ने उनकी लूना विक्की में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि राम सिंह सैनी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही महरातपुर कला उर्फ पुरैनी और पुरैनी खास गांव के सैकड़ों लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और बुजुर्ग को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेज दिया। समाचार लिखे जाने तक मृतक के पुत्र हेतराम सैनी की ओर से पुलिस को घटना की तहरीर नहीं दी गई थी। बुजुर्ग की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

तिगरी गंगा मेले की तैयारियां अंतिम चरण में, 40 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान

24 नवंबर को होगा मुख्य स्नान, 15 से 25 नवंबर तक चलेगा मेला; सुरक्षा के लिए छह जोन और 25 सेक्टर में बांटा गया मेला क्षेत्र



गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के ऐतिहासिक तिगरी गंगा धाम पर लगने वाले गंगा मेले की तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। इस बार मेले में करीब 40 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। बता दें कि गंगा मेला 15 नवंबर से 25 नवंबर तक चलेगा, जबकि 20 नवंबर को मेले का विधिवत शुभारंभ होगा। शुभारंभ कार्यक्रम में डीआईजी, कमिश्नर और जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। वहीं, 24 नवंबर को मुख्य गंगा स्नान होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा में आस्था की डुबकी लगाएंगे।मेले की व्यवस्थाओं पर करीब 720.54 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाने के लिए लगभग 22 किलोमीटर लंबी सड़क तैयार की गई है। करीब 3600 बीघा भूमि पर मेला बसाया जा रहा है।

श्रद्धालुओं के स्नान के लिए 24 गंगा घाट तैयार किए जा रहे हैं।सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पूरे मेला क्षेत्र को छह जोन और 25 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक सेक्टर में मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाएगी, ताकि व्यवस्थाओं पर लगातार निगरानी रखी जा सके। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी पिछले एक महीने से मेले की तैयारियों में जुटे हुए हैं।इसी क्रम में बुधवार को दोपहर 12 बजे जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने मेला स्थल पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया।

अधिकारियों ने संबंधित विभागों को व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए। प्रशासन का प्रयास है कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और पूरा आयोजन शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सके।

मंडी धनौरा के ब्लू बड्र्स इंटरनेशनल स्कूल में बाल दिवस समारोह





अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा नगर के ब्लू बड्र्स इंटरनेशनल स्कूल में बाल दिवस समारोह-2026 के अंतर्गत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम ह्यकैलीडोस्कोपह्न का आयोजन किया गया। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों से परिसर को तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुरादाबाद जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली सिंह चौहान, विशिष्ट अतिथि शिक्षक विधायक डॉ. हरि सिंह ढिल्लों, विधायक राजीव तरारा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल तथा विद्यालय प्रबंधन के सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर किया। नर्सरी से कक्षा पांच तक के बच्चों ने जंगल डांस, रोबोट डांस, हरियाणवी नृत्य, रासलीला, कव्वाली एवं देशभक्ति गीत सहित 13 प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगी रोशनी, आकर्षक वेशभूषा और शानदार मंच सज्जा ने समारोह को यादगार बना दिया। मुख्य अतिथि डॉ. शैफाली सिंह चौहान ने बच्चों के आत्मविश्वास और सर्वांगीण विकास की सराहना की। विधायक डॉ. हरि सिंह ढिल्लों एवं राजीव तरारा ने बच्चों को मेहनत, अनुशासन और बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सत्र 2023-24 से 2025-26 तक कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। स्कूल प्रबंधक राहुल अग्रवाल ने मेधावियों को बधाई दी। समारोह के अंत में निर्देशिका राखी अग्रवाल, प्रधानाचार्या शैली गांधी एवं एडमिनिस्ट्रेटर संध्या गुप्ता ने सभी अतिथियों, अभिभावकों तथा शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। यह समारोह बच्चों की प्रतिभा, संस्कृति और देशभक्ति का सुंदर संगम बनकर संपन्न हुआ।

हरिद्वार से माता रानी की पावन ज्योत लाकर किया माता रानी का जागरण



नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- मोहल्ला जोशियान में सोमवार रात्रि को माता रानी का जागरण बड़ी श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ आयोजित किया गया। हरिद्वार से विशेष रूप से लाई गई माता रानी की पावन ज्योत की स्थापना के साथ ही समूचा क्षेत्र भक्तिरस में सराबोर हो गया। रात्रि आठ बजे वैदिक मंत्रोच्चारण और विधि-विधान से पूजन-अर्चन के बीच जागरण का शुभारंभ हुआ, जिससे पूरा माहौल माता रानी के जयकारों से गूंज उठा। हरिद्वार से माता रानी की पावन ज्योत बालेश कुमार शर्मा, विमला देवी, मास्टर राकेश शर्मा, शकुंतला देवी एवं अरविंद जोशी द्वारा लाई गई थी। ज्योत के नगर में पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा व जयकारों के साथ भव्य स्वागत किया और दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

जागरण शुरू होने से पूर्व विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

जागरण के दौरान भजन गायकों द्वारा प्रस्तुत माता रानी की मधुर भेंटों और भजनों पर महिला, पुरुष व युवा श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे। कार्यक्रम के मध्य प्रस्तुत की गई मनमोहक धार्मिक झांकियां श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं।

इसके उपरांत भजनवाणी और तारावती की कथा ने भक्तों को भावविभोर कर दिया। सुबह तड़के आरती व प्रसाद वितरण के साथ जागरण का समापन हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान में भाजपा नेत्री डॉ. रचना पाल, उपनिरीक्षक इंचार्ज अशोक मलिक, पंकज शर्मा, रवि शर्मा, पूनम शर्मा, मीनाक्षी शर्मा, मिंटू शर्मा, अमन शर्मा, मास्टर निपेंद्र शर्मा, मोहित शर्मा, अतुल शर्मा, आशीष शर्मा, मनोज शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, ललित शर्मा, रोहन शर्मा और परम शर्मा सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खुशीराम सैनी को किया गया भाजपा पिछड़ा मोर्चा नहटौर मंडल अध्यक्ष मनोनीत

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा मोर्चा के जिला नेतृत्व की ओर से संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न मंडलों के अध्यक्षों के नामों की घोषणा की गई है। इसमें नहटौर क्षेत्र के ग्राम कासमपुर लेखराज निवासी खुशीराम सैनी को भाजपा पिछड़ा मोर्चा का नहटौर मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्हें संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। नियुक्ति के बाद खुशीराम सैनी के गांव कासमपुर लेखराज पहुंचने पर ग्रामीणों और समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। गांव में ढोल-नगाड़ों के साथ उन्हें स्वागत स्थल तक लाया गया। ग्रामीणों ने फूलमालाएं पहनाकर और मिठाई



खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। इस दौरान समर्थकों ने उनका स्वागत करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। गांव में हुए भव्य स्वागत से माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। खुशीराम सैनी ने पार्टी नेतृत्व और कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो भरोसा जताया है, वह उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। पार्टी की नीतियों और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

साथ ही पिछड़ा मोर्चा को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने के लिए कार्य किया जाएगा। भाजपा कार्यकताओं ने कहा कि खुशीराम सैनी लंबे समय से पार्टी की विचारधारा से जुड़े हुए हैं। उनकी सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी मिली है।

उनके नेतृत्व में पिछड़ा मोर्चा का संगठन नहटौर मंडल में और अधिक मजबूत होगा। इस अवसर पर पत्रकार आबिद अंसारी, रोहित सैनी, कमल सैनी, ऋषभ सैनी, तेजपाल सैनी, बहादुर सैनी, ओमपाल सैनी, सुशील सैनी, अंकुर सैनी, विपिन सैनी, रवि सैनी, राजवीर सैनी, राहुल सैनी, संजय सैनी, रचित सैनी, अंकित सैनी, हिमांशु गुप्ता, एडवोकेट अर्पित गुप्ता, अन्नी त्यागी, कृष्णा वर्मा, आलम शेख, नागेंद्र कुमार त्यागी, चौधरी गुनमान सिंह, अरविंद जोशी और अंकुश अग्रवाल, संतोष सैनी, चन्द्रो देवी, विमला देवी सहित क्षेत्र के अनेक पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं ग्रामीणों महिलाओं ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

भाजपा पदाधिकारियों की संगठनात्मक बैठक में एसएसआर कार्यों को गति देने पर दिया जोर



नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- विकास खंड के डबाकरा हॉल में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य 'एसएसआर' से संबंधित कार्यों को गति प्रदान करने के साथ-साथ संगठन को अधिक मजबूत बनाना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नहटौर विधानसभा प्रभारी पूरन लाल सैनी का कार्यकताओं ने स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूरन लाल सैनी ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे एसएसआर से जुड़े कार्यों को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ पूरा करें। उन्होंने संगठनात्मक समन्वय और कार्यकताओं की सक्रिय सहभागिता पर विशेष जोर दिया। बैठक के दौरान विभिन्न मोर्चों के नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर किसान मोर्चा, अनुसूचित मोर्चा और पिछड़ा मोर्चा के नवनियुक्त पदाधिकारियों तथा विभिन्न मंडलों के पदाधिकारियों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया और उन्हें नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दी गई। इस मौके पर किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नवनिहाल सिंह, ब्लॉक प्रमुख राकेश कुमार, विधानसभा विस्तारक ऋषभ, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अतुल मारवाड़ी, शोभित त्यागी, महावीर सैनी, मंडल अध्यक्ष वैभव गोयल, पीयूष चौहान, हिमांशु पाराशर, राकेश सैनी, विपुल चौधरी, दानवीर चौहान आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छत के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन की चपेट में आकर 14 वर्षीय किशोरी झुलसी

माथे, हाथ और आंख में आई गंभीर चोटें, सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर, परिजनों में आक्रोश

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम सरदारपुर छायली में सोमवार शाम छत के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन की चपेट में आने से 14 वर्षीय किशोरी गंभीर रूप से झुलस गई। आनन-फानन में परिजन उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसकी चिंताजनक हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सरदारपुर छायली निवासी संजय कुमार की 14 वर्षीय पुत्री सोनी



सोमवार शाम करीब छह बजे किसी काम से अपने घर की छत पर गई थी। इसी दौरान वह छत के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन की चपेट में आ गई। करंट लगने से उसका माथा, हाथ और आंख बुरी तरह झुलस गए।

किशोरी की चीख-पुकार सुनकर परिजन घबरा गए और तत्काल छत पर पहुंचे। गंभीर रूप से झुलसी सोनी को परिजन उपचार के लिए सीएचसी नगीना ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के बाद परिजनों में विद्युत विभाग के प्रति आक्रोश व्याप्त है। परिजनों का कहना है कि घरों की छतों के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइनें हादसों का कारण बन रही हैं।

भाजपा महिला मोर्चा की जिला कमेटी की परिचय बैठक आयोजित, 2027 के चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान

मोदी-योगी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने पर दिया जोर

बिजनौर (सब का सपना):- भाजपा महिला मोर्चा की जिला कमेटी की परिचय बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान बॉबी का गार्गी अग्रवाल सहित महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। इस दौरान गार्गी अग्रवाल ने जिला कमेटी के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का अभिनंदन करते हुए उनका परिचय प्राप्त किया। बैठक को संबोधित करते हुए गार्गी अग्रवाल ने कहा कि आगामी 2027 के विधानसभा



चुनाव को ध्यान में रखते हुए सभी कार्यकताओं को अभी से संगठन की मजबूती के लिए सक्रिय होना होगा। उन्होंने महिला मोर्चा की पदाधिकारियों एवं सदस्यों से केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने तथा घर-घर संपर्क कर लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया।

वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान बॉबी ने कहा कि महिला कार्यकर्ता संगठन की मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से पूरी निष्ठा, समर्पण और सक्रियता के साथ संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाने की अपील की। बैठक का संचालन जिला महामंत्री सरिता सैनी ने किया। इस अवसर पर महिला मोर्चा की जिला कमेटी की पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहीं।

बाइक की टक्कर से तीन वर्षीय बालक घायल, सीएचसी में भर्ती

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- बुधवार दोपहर नगीना-धामपुर राज्य राजमार्ग पर गोयल पब्लिक स्कूल के सामने सड़क पार कर रहा तीन वर्षीय बालक बाइक की चपेट में आकर घायल हो गया। हादसे में बालक के सिर में चोट आई। परिजनों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, आजाद कॉलोनी लाइन पार निवासी अर्जुन सैनी का तीन वर्षीय पुत्र ईशान कुमार बुधवार दोपहर करीब दो बजे गोयल पब्लिक स्कूल के सामने सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान धामपुर की ओर से आ रही बाइक की चपेट में आकर वह घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना परिजनों को दी। सूचना मिलते ही बालक के पिता मौके पर पहुंचे और उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया। बताया गया कि बाइक सवार ने भी घायल बालक को अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया।

दहेज में अपाची बाइक और पांच लाख रुपये की मांग, विवाहिता से मारपीट व जान से मारने की धमकी

पति सहित सात ससुरालियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक केके बिश्नोई के निर्देश पर नगीना पुलिस ने विवाहिता की तहरीर पर पति सहित सात ससुरालियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग दहेज में पांच लाख रुपये नकद और अपाची बाइक की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर विवाहिता का शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न किया जाता था। हल्दौर थाना क्षेत्र के ग्राम खासपुरा निवासी अलका पत्नी अंकित कुमार ने पुलिस अधीक्षक केके बिश्नोई को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसका तीन वर्षीय पुत्र है। आरोप है कि उसका पति कई-कई महीने तक घर से बाहर रहता है और इस दौरान उसके तथा बच्चे के खर्च की जिम्मेदारी भी नहीं उठाता। विवाहिता का आरोप है कि शादी के बाद से ही पति अंकित कुमार, ससुर राकेश, सास आशा निवासी तेलीपुरा थाना नगीना तथा ननद पूजा और सविता के अलावा नंदोई अंकुर व गौरव निवासी नांगल सोती दहेज में पांच लाख रुपये नकद और अपाची मोटरसाइकिल की मांग करते आ रहे हैं। पीड़िता के अनुसार, मांग पूरी करने में असमर्थता जताने पर ससुराल पक्ष के लोग उसके साथ मारपीट और मानसिक उत्पीड़न करते थे। आरोप है कि एक बार उसे जलाकर मारने का प्रयास भी किया गया।

विवाहिता ने पुलिस अधीक्षक से पति सहित सभी आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने तथा स्वयं और अपने बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की थी।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नगीना पुलिस ने विवाहिता की तहरीर के आधार पर पति सहित सात आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नवागत जिलाधिकारी बिजनौर जोगिंदर सिंह को एमआर पाशा ने गुलदस्ता भेंट कर दी बधाई

दिव्यांगों की विभिन्न समस्याओं से कराया अवगत

बिजनौर/बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा ने अपने पुरी टीम के साथ बुधवार को जिला अधिकारी बिजनौर कार्यालय में पहुंचकर नवागत जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह को राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा ने



गुलदस्ता देकर बधाई दी। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमआर पाशा ने जिला अधिकारी बिजनौर जोगिंदर सिंह को दिव्यांगों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जिले के सभी सरकारी कार्यालय व पुलिस थानों तथा सीओ कार्यालयों में रैंप नहीं है। दिव्यांगों की सुविधा के लिए रैम्प बनवाए जाएं। दिव्यांगों का सभी सरकारी कार्यालय व पुलिस थानों में उत्पीड़न बंद किया जाए। सभी विभागों के कार्यालय में सम्मान दिया जाए। और उन्हें रोजगार से जोड़ा जाए। जो दिव्यांग अपना जीवन यापन कर सके। जिला अधिकारी बिजनौर जोगिंदर सिंह ने एम आर पाशा को आश्वासन दिया कि जल्द ही आपकी सभी समस्याओं निस्तारण किया जाएगा

प्रतिनिधि मंडल में मिलने वालों में शाह आलम, इकराम ठेकेदार, सनावर अली, मास्टर शहजाद गोविंदपुर वाले, शमशेर अली बबली, समीर आदि मौजूद रहे।

धामपुर महोत्सव मेला प्रदर्शनी का शुभारंभ, विधायक अशोक कुमार राणा ने फीता काटकर किया उदघाटन



धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नगीना मार्ग स्थित बाग दशहरा परिसर में आज से धामपुर महोत्सव मेला प्रदर्शनी का शुभारंभ हो गया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय भाजपा विधायक अशोक कुमार राणा ने फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मेला संयोजक हर्ष राजपूत ह्यचिंटूह्न ने विधायक अशोक कुमार राणा का फूल-मालाओं से स्वागत किया तथा राम दरबार का चित्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। उद्घाटन अवसर पर विधायक अशोक कुमार राणा ने कहा कि मेले भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रतीक हैं। ऐसे आयोजन समाज के लोगों को एक-दूसरे से जुड़ने और परिवार के साथ मनोरंजन का अवसर प्रदान करते हैं। मेले में बच्चों और बड़ों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के आकर्षक झूले, जलपरी का विशेष आकर्षण, खानपान के लजीज व्यंजनों के स्टॉल तथा खरीदारी के लिए विभिन्न प्रकार की दुकानें सजाई गई हैं। उद्घाटन के साथ ही मेले में लोगों की आवाजाही शुरू हो गई और लोगों ने जमकर खरीदारी का आनंद लिया। इस दौरान बाग रामलीला समिति अध्यक्ष अनिल अग्रवाल कटका, महामंत्री मनोज जोशी, कोषाध्यक्ष सौरभ मित्तल, सचिन जोशी, मुंसफ अली सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एसआईआर अभियान में 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं के वोट बनवाने के निर्देश

मृत और स्थायी रूप से बाहर जा चुके लोगों के नाम मतदाता सूची से हटवाने को कहा, लापरवाही पर होगी कार्रवाई





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगर पूर्ति अधिकारी अनुज कुमार ने ब्लॉक एवं नगर क्षेत्र के सभी सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेताओं को राशन कार्ड में दर्ज 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवक-युवतियों के मतदाता पहचान पत्र बनवाने के सख्त निर्देश दिए हैं।

बुधवार दोपहर नगर पूर्ति अधिकारी अनुज कुमार ने अपने कार्यालय परिसर में ब्लॉक एवं नगर क्षेत्र के सस्ता गल्ला विक्रेताओं की आवश्यक बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) अभियान के तहत चलाए जा रहे कार्य में कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से वंचित नहीं रहना चाहिए। शासन की मंशा के अनुरूप सभी पात्र युवाओं और युवतियों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए राशन डीलर घर-घर जाकर जानकारी जुटाएं।

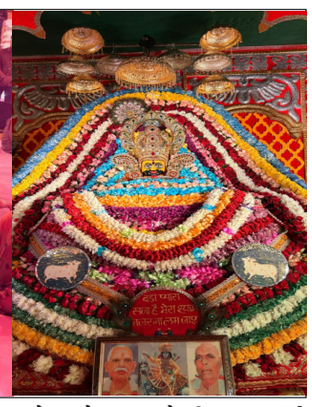
उन्होंने निर्देश दिए कि राशन कार्ड में दर्ज ऐसे युवक-युवतियां, जिनकी आयु 18 वर्ष पूरी हो चुकी है, उनके मतदाता पहचान पत्र बनवाने की प्रक्रिया में सहयोग करें। इसके अलावा जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है अथवा जो अपना पुश्तैनी आवास छोड़कर स्थायी रूप से अन्य स्थानों पर चले गए हैं, उनके नाम मतदाता सूची से नियमानुसार हटवाने की कार्रवाई सुनिश्चित कराएं।

नगर पूर्ति अधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि शासन के निर्देश पर चलाए जा रहे इस महत्वपूर्ण अभियान में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी राशन डीलरों से अभियान को गंभीरता से लेते हुए पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

बैठक में सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेता संघ के अध्यक्ष शुहेब इकबाल, नफीस अहमद, टिकेंद्र बिश्नोई, गोपाल शर्मा, गुलजार अहमद, शमीम अहमद मंझेड़ा सहित नगर एवं ब्लॉक क्षेत्र के सभी 194 राशन डीलर मौजूद रहे।

औरंगाबाद में खाटू श्याम के भजनों पर झूमें श्रद्धालु





औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- औरंगाबाद के प्राचीन नागेश्वर शिव मंदिर के मैदान में श्री श्यामा श्याम संकीर्तन मंडल के तत्वाधान में बीती रात श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन हुआ।जिसमें खाटू श्याम के भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे।मंगलवार देर शाम सात बजे कमेटी के पदाधिकारियों ने ज्योति प्रचंड करके महोत्सव का शुभारंभ किया।राजस्थान (जयपुर) से पधारे भजन सम्राट आयुष सुमानी ने भजन गाकर श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश कर दिया।हरियाणा से पधारे हर्ष सैनी ने बाबा का गुणगान किया।महोत्सव में पहुंचे भाजपा के जिला महामंत्री दीपक दुल्हेरा,भाजपा नेता शिवा विजय,सारांश मिश्रा,पूर्व चेयरमैन राजकुमार लोधी का पटका पहनाकर स्वागत किया।कमेटी के पदाधिकारियों ने कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।नगर से पहुंची किन्नरो की टीम ने बाबा का भोग लगाया और नृत्य किया। अजय गोयल ने बाबा की आरती का गुणगान किया।महोत्सव में मुख्य आकर्षण का केंद्र बाबा का भव्य दरबार के साथ 56 प्रकार का भोग शामिल था व्यवस्थाओं में पंकज अग्रवाल,मयंक गोयल,मंटू अग्रवाल,राजीव गुप्ता,डॉक्टर कैलाश अग्रवाल,अमन गोयल,सोना वर्मा,शरद वर्मा,दीपांशु सिंघल,टीनू गर्ग,अशोक गिरी,अमन गिरी,गौरव अग्रवाल,विशाल अग्रवाल,पवन सैनी,सचिन अग्रवाल,कशिश सिंघल,यश सिंघल,रूपेंद्र चावला,नितिन अग्रवाल, हनी अग्रवाल,हिमांशु अग्रवाल,नैतिक अग्रवाल,तुषार वर्मा,लव गोयल,आकाश सिंघल आदि मौजूद रहे।संचालन सोनू सैनी ने किया।

जिला कारागार में चार बंदी क्षय रोगियों को वितरित की गई पोषण सामग्री

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान के तहत उपचार पूरा होने तक मिलेगी पौष्टिक खाद्य सामग्री

फतेहपुर (सब का सपना):- इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के तत्वावधान एवं डॉ. सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के संयोजकत्व में मंगलवार को जिला कारागार में चार बंदी क्षय रोगियों को पोषण सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम का आयोजन प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान 2025 के अंतर्गत किया गया।

इंडियन रेडक्रास सोसाइटी उत्तर प्रदेश के चेयरमैन एवं कार्यकारिणी सदस्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने जेल अधीक्षक नागेश सिंह की उपस्थिति में चार नए बंदी क्षय रोगियों संतलाल,



अमित जाट, अमित कुमार और शिवलाल को पोषण सामग्री प्रदान की। इसमें मूंगफली के दाने, सत्तू, चना, गुड़ और प्रोटीन पाउडर शामिल रहे। यह पोषण सामग्री रोगियों को उनके चिकित्सकीय उपचार का कोर्स पूरा होने तक उपलब्ध कराई जाएगी।

इस अवसर पर डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि क्षय रोगियों के उपचार में नियमित दवाओं के साथ पौष्टिक आहार भी बेहद महत्वपूर्ण है।

मरीजों को उचित पोषण उपलब्ध कराने से उनके स्वास्थ्य में सुधार लाने में मदद मिलती है। उन्होंने सभी से टीबी उन्मूलन अभियान में सहयोग करने की अपील की।

कार्यक्रम में जेलर जितेंद्र यादव, जेल चिकित्सक डॉ. सतीश चंद्रा तथा इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के सचिव एवं प्रमुख सहयोगी अजीत सिंह उपस्थित रहे।

फाइलेरिया के खिलाफ फतेहपुर में बड़ा अभियान, 19 नवंबर से घर-घर पहुंचेगी स्वास्थ्य विभाग की टीम

147 टीमें 11 विकासखंडों में लोगों को अपने सामने खिलाएंगी दवा, 7 दिसंबर तक चलेगा अभियान





फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद को फाइलेरिया मुक्त बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग 19 नवंबर से सर्वजन दवा सेवन अभियान (MDA) शुरू करने जा रहा है। यह अभियान 7 दिसंबर तक चलेगा। इसके तहत जनपद के 11 विकासखंडों में स्वास्थ्य विभाग की 147 टीमें घर-घर पहुंचकर लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाएंगी। खास बात यह है कि स्वास्थ्य कर्मी किसी भी व्यक्ति को दवा देकर नहीं लौटेंगे, बल्कि अपने सामने ही दवा का सेवन कराएंगे।

बुधवार को आयोजित मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है, जिसके लक्षण कई वर्षों बाद सामने आते हैं। संक्रमण शरीर में करीब 10 से 15 साल तक रहने के बाद गंभीर रूप ले सकता है। इससे हाथीपांव और हाइड्रोसील जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान उम्र और लंबाई के अनुसार तीन प्रकार की दवाएं दी जाएंगी।सीएमओ ने बताया कि जनपद के 11 विकासखंडों में माइक्रो फाइलेरिया की दर दो से अधिक होने के कारण इन्हें अभियान में शामिल किया गया है, जबकि प्रदेश का औसत दो है। उन्होंने कहा कि पूर्व में अभियान अपेक्षित रूप से सफल नहीं हो पाने के कारण प्रदेश में फतेहपुर और सीतापुर ऐसे दो जनपद रहे, जहां 11-11 ब्लॉक प्रभावित पाए गए। इस बार स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है कि कोई भी ब्लॉक फाइलेरिया के प्रभाव से अछूता न रहे।अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक तैयारियां की हैं। सभी टीमों के लिए सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। वहीं WHO, PATH और मेडिकल कॉलेज की टीमें भी अभियान की निगरानी करेंगी। प्रतिदिन सीएमओ की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक होगी, जिसमें अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी और उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी शामिल होंगे। अभियान में किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। दवा सेवन के बाद कुछ लोगों को हल्के दुष्प्रभाव जैसे बुखार, जी मिचलाना और सिरदर्द की शिकायत हो सकती है। सीएमओ ने बताया कि संक्रमित व्यक्ति के शरीर में मौजूद माइक्रो फाइलेरिया के नष्ट होने पर ऐसी प्रतिक्रिया हो सकती है। इससे घबराने की जरूरत नहीं है। इसके लिए रैपिड रिस्पांस डोज (RRD) टीम भी गठित की गई है, जो जरूरत पड़ने पर मरीज को उपचार उपलब्ध कराएगी। आवश्यकता होने पर अस्पताल में भर्ती कराने की व्यवस्था भी रहेगी।अंत में सीएमओ ने मीडिया कर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए जनपदवासियों से अपील की कि स्वास्थ्य विभाग की टीम घर पहुंचे तो उसके सामने ही दवा का सेवन अवश्य करें। उन्होंने कहा कि जनसहयोग से ही फतेहपुर को फाइलेरिया मुक्त बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

सड़क बनी तालाब, राहगीरों का निकलना हुआ मुश्किल

रामपुर थरियांव–असोथर रोड की बदहाल स्थिति से ग्रामीण परेशान, हादसों का बना रहता है खतरा





थरियांव/फतेहपुर (सब का सपना):- रामपुर थरियांव स्थित असोथर रोड की हालत इन दिनों बेहद खराब हो चुकी है। सड़क पर लगातार पानी भरा रहने के कारण पूरी सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई है। सड़क पर जगह-जगह जलभराव होने से राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, आए दिन कोई न कोई व्यक्ति सड़क के गड्ढों और जलभराव के कारण हादसे का शिकार हो रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूल जाने वाले सैकड़ों छात्र-छात्राओं को उठानी पड़ रही है। बच्चे इसी रास्ते से होकर स्कूल जाते हैं, लेकिन सड़क पर भरे गंदे पानी और कीचड़ के कारण उनके कपड़े खराब हो जाते हैं। साथ ही उन्हें दुर्घटना का डर भी बना रहता है।

सड़क की बदहाल स्थिति के चलते स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों में काफी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि कई बार इस समस्या से परेशानी होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान इस ओर नहीं जा रहा है।

अब सवाल यह उठता है कि आखिर प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार क्यों कर रहा है? क्या जिम्मेदार अधिकारी किसी दुर्घटना के बाद ही जागेंगे?

स्थानीय ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि सड़क से जलभराव की समस्या को तत्काल दूर कराकर गड्ढों की मरम्मत कराई जाए, ताकि राहगीरों और स्कूली बच्चों को राहत मिल सके।

पांच साल पुराने हत्या के मुकदमे में दो सगे भाइयों को बड़ी राहत, ADJ-6 कोर्ट ने किया बाइज्जत बरी



बिजनौर (सब का सपना):- करीब पांच साल पुराने हत्या के एक मामले में बुधवार को न्यायालय ने अहम फैसला सुनाते हुए आरोपी बनाए गए दो सगे भाइयों को बाइज्जत बरी कर दिया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (ADJ-6) अलका चौधरी की अदालत ने साक्ष्यों के आधार पर दोनों भाइयों को दोषमुक्त कर दिया। फैसले के बाद दोनों भाइयों ने इसे इंसाफ की जीत बताते हुए अपने अधिवक्ता का आभार जताया।

मामला 14 सितंबर 2021 का है। थाना नागल क्षेत्र के गांव तीसोतरा निवासी शोबीर उर्फ शोभित (32 वर्ष), पुत्र वीर सिंह की खेत में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में गांव के ही दो सगे भाइयों हमेन्द्र उर्फ गुड्डू और संजीव पुत्र रमेश को आरोपी बनाया गया था।

मामले की पैरवी अधिवक्ता अकील अहमद ने की। मुकदमे के दौरान दोनों आरोपियों को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई थी। वहीं, मामले में सुनवाई के दौरान साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर अदालत ने बुधवार को दोनों भाइयों को बाइज्जत बरी करने का फैसला सुनाया।

इस मुकदमे को लेकर केस ट्रांसफर का मामला भी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। मृतक के पिता वीर सिंह की ओर से मामले को दूसरे न्यायाधीश की अदालत में स्थानांतरित कराने की मांग की गई थी, लेकिन हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों जगह से उनकी याचिका खारिज हो गई थी।

करीब पांच साल तक चले मुकदमे के बाद आए इस फैसले से दोनों सगे भाइयों को बड़ी राहत मिली है। बरी होने के बाद दोनों भाइयों ने अधिवक्ता अकील अहमद का धन्यवाद करते हुए कहा कि आखिरकार उन्हें न्याय मिला है। उन्होंने इस फैसले को इंसाफ की जीत बताया।

मुठभेड़ में बिल्लू इंदौरिया गैंग का बदमाश वाहिद अंसारी ढेर

एजेंसी



लखनऊ। यूपी के अंबेडकरनगर में बुधवार भोर करीब ढाई बजे हुई पुलिस मुठभेड़ में कुख्यात सुपारी किलर वाहिद अंसारी मारा गया। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के शिवबाबा बैरियर पर मंगलवार देर रात चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से गाजीपुर निवासी बदमाश वाहिद घायल हो गया। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वाहिद बिल्लू इंदौरिया गैंग का सदस्य था और सुपारी किलिंग के लिए कुख्यात था। उसका साथी अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर भाग गया। बदमाशों की फायरिंग में अकबरपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र सिंह और स्वाट टीम के मुख्य आरक्षी सोनू यादव घायल हो गए। वहीं, पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह और सर्विलांस प्रभारी विनोद यादव की बुलेटप्रूफ जैकेट पर भी गोली लगी। पुलिस के मुताबिक, 17 और 18 नवंबर की मध्यरात्रि शिवबाबा बैरियर पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान अहिरौली की तरफ से पल्सर बाइक पर सवार दो संदिग्ध आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो पीछे बैठे बदमाश ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। इसमें प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र सिंह के बाएं हाथ में गोली लग गई। इसके बाद दोनों बदमाश बाइक से शिवबाबा मैदान की तरफ भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा करते हुए उन्हें आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन बदमाशों ने फायरिंग जारी रखी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में वाहिद घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। दूसरा बदमाश मौके से भाग निकला। पुलिस ने मौके से तीन .32 बोर की पिस्टल, एक नौ एमएम कार्बाइन, सात .315 बोर के तमंचे, छह खोखा कारतूस और 24 जीवित कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा बिना नंबर प्लेट की घटना में प्रयुक्त पल्सर बाइक भी मिली है। मामले में अकबरपुर कोतवाली में मुकदमा अपराध संख्या 651/26 के तहत बीएनएस की धारा 109(1) और आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मृतक वाहिद पुत्र अबु बकर गाजीपुर जिले के बहरियाबाद थाना क्षेत्र का निवासी था। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ आजमगढ़, गाजीपुर, सुल्तानपुर, वाराणसी, गौतमबुद्धनगर और चंदौली में कुल 35 मुकदमे दर्ज थे। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, रंगदारी, चोरी, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट के मामले शामिल हैं। वर्ष 2014 से 2023 तक उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में मुकदमे दर्ज हुए थे। एसपी समेत 12 पुलिसकर्मी थे टीम में शामिल मुठभेड़ के दौरान पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के साथ 12 पुलिसकर्मी शामिल थे। इनमें पीआरओ निरीक्षक जितेंद्र सिंह, अकबरपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक आदर्श कुमार सिंह, रामप्रताप वर्मा और विनोद यादव समेत स्वाट और सर्विलांस सेल के पुलिसकर्मी शामिल रहे। बदमाशों की फायरिंग में प्रभारी निरीक्षक और मुख्य आरक्षी सोनू यादव को गोली लगी, जबकि एसपी और सर्विलांस प्रभारी की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोली लगी। फरार बदमाश की तलाश की जा रही है।

टेंट हाउस के गोदाम में लगी भीषण आग, तीसरी मंजिल पर फंसे कर्मचारी; कपड़े के सहारे कूदकर बचाई जान

एजेंसी

मऊ। मऊ में एक टेंट हाउस के गोदाम में आग लग गई। जिसमें तीसरी मंजिल पर चार कर्मचारी फंस गए। किसी तरह कपड़े के सहारे कूदकर उन्होंने अपनी जान बचाई। वहीं कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। मऊ जिले के सरायलखंसी थाना क्षेत्र के पुरानी तहसील स्थित एक टेंट हाउस के गोदाम में मंगलवार देर रात अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। आग की लपटें गोदाम के भवन की तीसरी मंजिल से उठीं और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस अग्निकांड में गोदाम में रखा टेंट, बिस्तर और सजावट का लाखों रुपये का सामान जलकर पूरी तरह राख हो गया। तीसरी मंजिल से कपड़े के सहारे उतरे कर्मचारी घटना के समय गोदाम के भीतर चार कर्मचारी मौजूद थे। आग और धुएं के गुबार इतनी तेजी से फैले कि चारों कर्मचारी तीसरी मंजिल पर फंस गए और उनकी जान पर बन आई। नीचे उतरने का कोई रास्ता न बचता देख कर्मचारियों ने सूझबूझ का परिचय दिया और छत से कपड़ा बांधकर उसके सहारे नीचे छलांग लगा दी, जिससे उनकी जान बच सकी। गोदाम से उठती ऊंची लपटों और काले धुएं को देखकर आसपास के इलाके में



अफरा-तफरी मच गई। घनी आबादी वाला क्षेत्र होने के कारण पड़ोस के घरों में भी आग फैलने की आशंका से लोग दहशत में आ गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल बाल्टी और सबमर्सिबल पंप की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां और थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगने के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल सका है, हालांकि प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर नुकसान के आकलन और घटना की जांच में जुटी है।

पचास हजार की रंगदारी मांगने वाले गुनाहगार को तीन साल की सख्त सजा के साथ ही हुआ 14 हजार का जुमार्ना

हमीरपुर (सैय्यद बासित अखतर) राठ में 14 जून 2011 को पीड़ित के दरवाजे पर तमंचा लहराते हुए 50 हजार रुपये की रंगदारी मांगने के साथ ही गालीगलौज कर जान से मारने की धमकी देने के साथ ही जातिसूचक लफ्जों से अपमानित करने के मामले में राठ पुलिस ने अरुण कुमार की तहरीर पर राठ के सिकन्दरपुरा निवासी मुल्जिम ओमप्रकाश यादव पुत्र पूरनलाल उर्फ पुन्ना ,संतोष कुमार यादव पुत्र ओमप्रकाश यादव के खिलाफ मु0अ0सं0-853/2011 धारा-387,323,504,506 भा0द0सं0 सहित 3(1)10 एससीएसटी एक्ट व 2बी/12 द0प्र0क्षे0 एक्ट के तहत 14 जून 2011 को दर्ज किया गया था, जबकि आपरेशन कन्विक्शन के तहत एससीएसटी अदालत के स्कालर जज रनवीर सिंह ने मुल्जिम ओमप्रकाश यादव को गुनाहगार मानते हुये तीन



साल की सख्त सजा के साथ ही सुनाया 14 हजार का जुमार्ना। मामले की जांच सीओ शील कुमार ने पूरी करते हुये अदालत में चार्जशीट दाखिल करदी थी, जबकि मामले की दमदार पैरवी करते हुये विशेष लोक अभियोजक विजय सिंह ने मुल्जिमों को अदालत से सख्त सजा देने की मांग की थी।



कहीं आपके बच्चे को दिल की बीमारी तो नहीं? पसीने से करें पहचान

क्या आप जानते हैं कि शिशुओं को असल में ज़्यादा पसीना नहीं आता? वयस्कों के विपरीत, उनके छोटे शरीर तापमान को अलग तरह से नियंत्रित करते हैं क्योंकि उनकी पसीने की ग्रंथियां अभी भी विकसित हो रही होती हैं। इसलिए, अगर आपके शिशु को बार-बार या बहुत ज़्यादा पसीना आता है, तो यह कभी-कभी दिल की बीमारीका संकेत भी हो सकता है।

बच्चे ज़्यादा पसीना क्यों नहीं आता?

डॉक्टरों के अनुसार, नवजात और छोटे बच्चों के शरीर में पसीना ग्रंथियां पूरी तरह विकसित नहीं होतीं। इसलिए वे वयस्कों की तरह बहुत पसीना नहीं बहाते। उनके शरीर का तापमान नियंत्रण सिस्टम अभी छोटा और संवेदनशील होता है। इस वजह से वे सामान्य तौर पर बहुत कम या बिलकुल नहीं पसीना बहाते।

किन बच्चों को आता है ज्यादा पसीना

विशेषज्ञों के अनुसार, अगर आपका बच्चा दूध पीते समय, सोते हुए, या जरा-सा हिलते-डुलते ही बहुत ज़्यादा पसीना बहा रहा है तो यह दिल की किसी समस्या का संकेत हो सकता है। जिस बच्चे के दिल में कोई जन्मजात दोष होता है, तो दिल को शरीर में खून पंप करने के लिए बहुत ज़्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इस अतिरिक्त मेहनत से शरीर की ऊर्जा जल्दी खर्च होती है, बच्चा जल्दी थक जाता है और शरीर तापमान को कम करने के लिए ज़्यादा पसीना बहाने लगता है।

ऐसे लक्षणों पर ध्यान दें:

- बच्चे को दूध पीते समय बहुत पसीना आता है।
- जल्दी थक जाता है या दूध अधूरा छोड़ देता है।
- तेज़ सांस लेता है या साँस फूलती है
- वजन नहीं बढ़ रहाया बहुत कमजोर लग रहा है
- त्वचा या होंठ नीले पड़ने लगते हैं

इस तरह रखें बच्चों का ख्याल

बच्चे को ठंडी जगह पर रखें, बहुत गर्म कपड़े न पहनाएं। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा या घरेलू नुस्खा न दें। अगर डॉक्टर सुझाएं तो इकोकार्डियोग्राम या ईसीजी जांच करवाएं। ध्यान रखें कि हर बच्चे को थोड़ा-बहुत पसीना आना सामान्य है, लेकिन अगर पसीना बहुत ज़्यादा है तो शरीर किसी अंदरूनी परेशानी का इशारा कर रहा है।'

बच्चों को नहीं लगेगा चश्मा, पेरेंट्स जरुर खिलाएं ये फूड्स



ज्यादातर मोबाइल और लैपटॉप इस्तेमाल करने के कारण आजकल बच्चों की आंखे कमजोर होने लगी हैं। इसके अलावा गलत खान-पान भी बच्चों की आंखे कमजोर होने के मुख्य कारण है। ऐसे में छोटी उम्र में ही उन्हें चश्मा लगने लगा है। एक्सपर्ट्स की मानें तो आजकल काफी उम्र से ही बच्चे लंबे समय तक टीवी, मोबाइल आदि देखने लगते हैं और पोषण की कमी के कारण बच्चों की आंखे कम उम्र में ही कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे फूड्स बताते हैं जो बच्चों की आंखों को मजबूत बनाएंगे। आइए जानते हैं....

विटामिन-ई

विटामिन-ई से भरपूर आहार आप बच्चों की डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके लिए आप बच्चों को बादाम, मूंगफली, मक्के का तेल, सरसों के बीज जैसी चीजें खिला सकते हैं।

सेलेनियम

यह एक ऐसा एंटीऑक्सीडेंट है जो यीस्ट और सीफूड में मौजूद होता है। आप इसका सेवन बच्चों को करवाने के लिए उन्हें सप्लीमेंट के तौर पर दे सकते हैं।

विटामिन-ए

यह शरीर की इम्यूनिटी मजबूत बनाने और आई साइट को मजबूत बनाने में मदद करता है। शरीर में यदि इस विटामिन की कमी हो जाए तो बच्चों की आंखे तेजी से कमजोर होने लगती है। ऐसे में आप उन्हें डाइट में अंडा, लीवर, दूध, हरी सब्जियां, स्वीट पोटैटो, रंग-बिरंगे फल आदि खाने के लिए दें।

जिंक

जिंक की कमी भी आंखों में रोशनी कम होने की समस्या बढ़ सकती है। जिकं की कमी बच्चों के शरीर से पूरी करने के लिए आप उन्हें ओएस्टर, गेंहू और तरह के नट्स दे सकते हैं।

ओमेगा 3 फैटी एसिड

इसकी कमी होने के कारण भी बच्चों की आंखें कमजोर हो सकती हैं। ऐसे में बच्चों के शरीर में से ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी पूरी करने के लिए आप ड्राई फ्रूट्स, कोल्ड वॉटर फिश, ब्रोकली उन्हें दे सकते हैं।

जंगल सफारी का नया ठिकाना

राजस्थान के जवाई में देखें तेंदुए और

जंगल सफारी के शौकीनों के लिए राजस्थान का जवाई नेशनल पार्क एक बेहतरीन विकल्प है, जहाँ आप तेंदुए, मगरमच्छ और अन्य जंगली जानवरों को उनके प्राकृतिक आवास में देख सकते हैं। पाली जिले में स्थित यह तेंदुआ संरक्षण रिजर्व अपनी अद्वितीय विशेषता के लिए जाना जाता है, जहाँ ग्रामीण और तेंदुए साथ रहते हैं। यह ट्रिप आपको एडवेंचर और रोमांच से भरपूर एक यादगार अनुभव देगी।



जंगल सफारी करने का एक अलग ही आनंद होता है। अगर आपको भी जंगली जानवर देखने का शौक हैं, लेकिन जब नेशनल पार्क में जाते हैं तो सिर्फ हिरन और बंदर को देखकर आ जाते हैं। हालांकि, शेर, चीता और बाघ न मिले तो मजा नहीं आता है। हर किसी का बजट साउथ अफ्रीका और केन्या जाने का तो होता नहीं। जहां पर मसाई मारा जैसे नेशनल पार्क में जा पाएं और जंगली जानवर देख पाएं। लेकिन आपको ज्यादा दूर जाने की जरुरत नहीं है। आप राजस्थान के जवाई नेशनल पार्क में, जहां पर तेंदुआ, मगरमच्छ जैसे जंगली जीव खुले घूमते दिख जाएंगे और आपको यहां पर सैर करके काफी सुंदर नजारे दिखेंगे।



जवाई नेशनल पार्कट

जवाई नेशनल पार्क राजस्थान के पाली जिले में मौजूद है। यह एक तेंदुआ सरंक्षण रिजर्व सेंटर है। इस पार्क में आपको तेंदुआ की काफी आबादी देखने को मिल जाएगी। यहां पर जवाई बांध भी है। बता दें कि, 60 किलोमीटर एरिया में फैले इस नेशनल पार्क में 16 गांव बसे हैं। जहां पर तेंदुआ और ग्रामीण लोग साथ में रहते है। तेंदुआ और दूसरे जंगली जानवरों को देखने आप यहां जरुर जाएं। ट्रिप आपकी रोमांच से भर जाएगी। यहां पर तेंदुआ की अलग-अलग प्रजाति के अलावा जंगली बिल्ली, भेड़िया, सियार और धारीदार लकड़बग्घे भी रहते हैं। आपको 100 से ज्यादा वैराइटी के प्रवासी और लोकल पक्षी भी देखने को मिल जाएंगे। ग्रेनाइट की पहाड़ियों के लिए सुंदर नजारों के बीच वाइल्ड लाइफ का करीब से दीदार होगा।

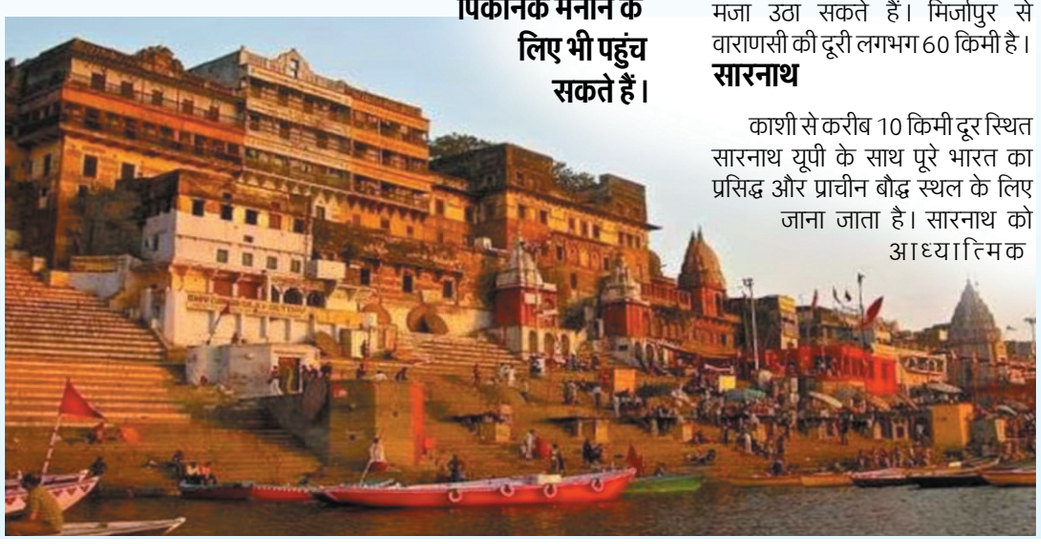
कैसे पहुंचे

जवाई जाने के लिए बाय रोड भी जा सकते हैं। उदयपुर या जयपुर एयरपोर्ट से यहां प्राइवेट साधन के जरिए जा सकते हैं। नजदीकी एयरपोर्ट उदयपुर है जो करीब 150 किमी दूर है। इसके अलावा, सिर्फ 4 किमी की दूरी पर मोरी बेरा रेलवे स्टेन है। जो जयपुर, दिल्ली, मुंबई से जुड़ा हुआ है। सर्दियों के मौसम में यहां पर जाना अच्छा माना जाता है।



मिर्जापुर से बनाएं यादगार वन-डे ट्रिप

मिर्जापुर का नाम सुनते ही अधिकतर लोगों के जहन में सबसे पहले मिर्जापुर वेब सीरीज का ही ध्यान आता है। हालांकि इस वेब सीरीज से अलग हटकर मिर्जापुर का जिक्र किया जाता है, तो यह शहर हाथों द्वारा निर्मित कालीन और दरियों का सबसे बड़ा उत्पादन भी करता है। उत्तर प्रदेश में स्थित मिर्जापुर एक ऐसा शहर है, जोकि पहाड़ियों से घिरा है। वहीं इस शहर में बहुत कम ऐसी जगहें हैं, जहां पर लोग घूमने के लिए जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मिर्जापुर के आसपास स्थित कुछ ऐसी खूबसूरत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप एक दिन की ट्रिप में एक्सप्लोर कर सकते हैं। वहीं आप इन जगहों पर वीकेंड पर पिकनिक मनाने के लिए भी पहुंच सकते हैं।



वाराणसी

जब भी मिर्जापुर के आसपास में किसी शानदार और चर्चित जगह घूमने की बात की जाती है, तो कई लोग सबसे पहले वाराणसी का नाम लेते हैं। यह यूपी का एक चर्चित धार्मिक स्थल है।

गंगा नदी के तट पर स्थित वाराणसी में आप काशी विश्वनाथ मंदिर, मणिकर्णिका घाट, अस्सी घाट, दशाश्वमेध यज्ञ और भारत माता मंदिर जैसे कई विश्व प्रसिद्ध धार्मिक जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसलिए वाराणसी में दूर-दूर से पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। आप यहां पर बोटिंग का भी मजा उठा सकते हैं। मिर्जापुर से वाराणसी की दूरी लगभग 60 किमी है।

सारनाथ

काशी से करीब 10 किमी दूर स्थित सारनाथ यूपी के साथ पूरे भारत का प्रसिद्ध और प्राचीन बौद्ध स्थल के लिए जाना जाता है। सारनाथ को आध्यात्मिक स्थानों में से एक माना जाता है।

सारनाथ में आप धमेख स्तूप से लेकर चौखंडी स्तूप, अशोक स्तंभ और थाई मंदिरों जैसे बौद्ध स्थलों को देख सकते हैं। वहीं सारनाथ में स्थित मूलगंध कुटी विहार और हिरण उद्यान को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। मिर्जापुर से सारनाथ की दूरी लगभग 75 किमी है।

प्रयागराज

प्रयागराज यूपी का एक बेहद खूबसूरत और प्रमुख शहर है। इस शहर को कई लोग इलाहाबाद के नाम से भी जानते हैं। यह हिंदुओं के लिए एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। क्योंकि प्रयागराज एक ऐसा शहर है, जो गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों के संगम पर स्थित है। प्रयागराज महाकुंभ मेले के लिए भी जाना जाता है।

यहां पर कई ऐतिहासिक और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं, जिनको आप एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां पर आप प्रयागराज फोर्ट, खुसरो बाग, त्रिवेणी संगम और चन्द्रशेखर आजाद पार्क को एक्सप्लोर कर सकते हैं। मिर्जापुर से प्रयागराज की दूरी 88 किमी है।

नौगढ़ डैम

यूपी के चंदौली जिले में स्थित नौगढ़ डैम राज्य का खूबसूरत डैम है। यह डैम चंद्रप्रभा वन्यजीव अभ्यारण में स्थित है, इस डैम का निर्माण 1956 में किया गया था। नौगढ़ डैम का पानी सिंचाई के तौर पर इस्तेमाल होता है। इसको पर्यटन स्थल के रूप में जाना जाता है। नौगढ़ डैम प्राकृतिक सौंदर्य के साथ आसपास के वन्यजीवों के लिए भी फेमस है। कई लोग वीकेंड में नौगढ़ डैम के किनारे पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते रहते हैं। मानसून में नौगढ़ डैम की खूबसूरती देखने लायक होती है। मिर्जापुर से नौगढ़ डैम की दूरी लगभग 113 किमी दूर है।





साई पल्लवी के सपोर्ट में उतरे धनुष

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में सीता का किरदार निभाने को लेकर साई पल्लवी लगातार चर्चा में हैं। फिल्म में उनकी कास्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। अब अभिनेता धनुष ने साई पल्लवी का समर्थन करते हुए उनकी जमकर तारीफ की है। उन्होंने साई की भक्ति, व्यक्तित्व और एक्टिंग की तारीफ करते हुए उनके सीता के किरदार को लेकर हो रही आलोचना पर सवाल उठाए हैं। दरअसल, धनुष और साई पल्लवी जल्द ही फिल्म 'ओम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। दोनों करीब नौ साल बाद साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने फिल्म 'मारी 2' में साथ काम किया था। फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान धनुष ने साई पल्लवी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया और उनकी तारीफ की।

इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें धनुष साई पल्लवी के सीता बनने को लेकर हो रही चर्चाओं पर बात करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि साई के किरदार को लेकर इतना शोर क्यों मचाया जा रहा है। धनुष ने बताया कि शूटिंग के दौरान भी साई ब्रेक के समय लगातार भगवान की प्रार्थना किया करती थीं। धनुष ने कहा, 'उनके सीता के किरदार को लेकर इतनी बातें और चर्चाएं हो रही हैं। मुझे समझ नहीं आता कि ऐसा क्यों है। शूटिंग के दौरान शॉट्स के बीच मिलने वाले ब्रेक में भी वह लगातार प्रार्थना करती रहती थीं। अगर आप पूरे भारत में भी तलाश करेंगे, तो आपको उनके जैसी दूसरी सीता नहीं मिलेगी। वह भगवान के प्रति गहरी आस्था रखने वाली और बेहद साफ दिल की इंसान हैं। वह बेहद खूबसूरत हैं और एक शानदार कलाकार भी हैं।'

नौ साल में साई पल्लवी में आया बड़ा बदलाव

धनुष ने साई पल्लवी के साथ अपनी पहली फिल्म 'मारी 2' को भी याद किया। उन्होंने बताया कि उस समय साई काफी शांत स्वभाव की थीं और बहुत कम बोलती थीं। वह कुछ भी कहने से पहले काफी सोचती थीं। हालांकि, नौ साल बाद फिल्म 'ओम' के सेट पर उनसे दोबारा मिलकर धनुष उनके बदले हुए अंदाज को देखकर हैरान रह गए। उन्होंने कहा, 'जब मैं पहली बार 'मारी 2' के दौरान साई पल्लवी से मिला था, तब वह बहुत मासूम थीं और काफी कम बोलती थीं। कुछ भी कहने से पहले सोचती थीं और बात करने में भी हिचकिचाती थीं। लेकिन नौ साल बाद इस फिल्म के सेट पर उनसे मिला, तो वह पूरी तरह बदली हुई नजर आईं। वह सिनेमा की कला में पूरी तरह माहिर हो चुकी थीं। उनके बोलने के अंदाज, चलने के तरीके और एक्सप्रेशंस में एक अलग ही आत्मविश्वास और ठहराव दिखाई दे रहा था। यह देखकर मैं हैरान रह गया।'

मुश्किल किरदार को साई ने हिम्मत के साथ निभाया

धनुष ने अपनी आने वाली फिल्म 'ओम' में साई पल्लवी के काम की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि फिल्म में उनका किरदार निभाना आसान नहीं था, लेकिन साई ने इसे पूरी हिम्मत के साथ स्वीकार किया और शानदार अभिनय किया। धनुष के मुताबिक, 'इस किरदार को निभाना बिल्कुल आसान नहीं है। साई पल्लवी ने इसे बहुत हिम्मत और साहस के साथ स्वीकार किया और शानदार परफॉर्मेंस दी।'

'ओम' में साई पल्लवी ने निभाया ये किरदार

बता दें कि फिल्म 'ओम' में धनुष और साई पल्लवी एक बार फिर साथ नजर आएंगे। फिल्म में ममूटी भी अहम भूमिका में हैं। साई पल्लवी फिल्म में नित्या रेड्डी नाम की सीबीआई अधिकारी का किरदार निभा रही हैं, जो लाल चंदन की अवैध तस्करी के मामले की जांच करती हैं। वहीं, नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान राम, यश रावण, रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल भगवान हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का पहला पार्ट 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुआ था, जबकि इसका दूसरा पार्ट 2028 में रिलीज होने वाला है।





आवारा पागल दीवाना 2 पर बोले सुनील शेट्टी

साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म 'आवारा पागल दीवाना' का सीक्वल बनने जा रहा है। अभिनेता सुनील शेट्टी ने फैंस को यह खुशखबरी दी है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है।

सुनील शेट्टी ने हाल ही में बातचीत में फिल्म 'आवारा पागल दीवाना 2' के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'फिल्म का सीक्वल बनने जा रहा है, इस पर काम जारी है।' इस पर उनसे सवाल हुआ कि क्या इसकी शूटिंग अगले साल शुरू हो सकती है? इसके जवाब में शेट्टी ने कहा कि हां ऐसा हो सकता है।

सफलता से खुश हैं अभिनेता

इस बातचीत में आगे सुनील शेट्टी ने 2026 के प्रोजेक्ट्स पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने बॉर्डर 2 में भी काम किया है। मैं उसमें सिर्फ एक सीन में था, लेकिन मैं इसे एक सफलता मानता हूं क्योंकि आखिरकार यह हमारी फ्रेंचाइज बन गई है। जिस तरह से चीजें आगे बढ़ रही हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं। साथ ही, भारत के सुपर फाउंडर्स के पहले सीजन की सफलता से भी मुझे बहुत खुशी है।'

साल 2002 में रिलीज हुई आवारा पागल दीवाना का निर्माण फिरोज नाडियाडवाला ने किया था और फिल्म को सारे किरदार काफी मजेदार थे। सुनील शेट्टी के अलावा, इस एक्शन – कॉमेडी में अक्षय कुमार, आफताब शिवदासानी, परेश रावल, अमृता अरोरा, आरती छाबड़िया, प्रीति झंगियानी, सुप्रिया पिलगांवकर, ओम पुरी, जॉनी लीवर और राहुल देव ने अभिनय किया था। इतने सारे लोकप्रिय कलाकारों के एक साथ आने से फिल्म में भरपूर कॉमेडी और एक्शन देखने को मिला था।



जॉन डो से ड्रीम डेब्यू कर भावुक हुईं सृष्टि सिंह



अभिनेत्री सृष्टि सिंह ने 13 नवंबर को रिलीज हुई फिल्म 'जॉन डो' के साथ अपना 'ड्रीम डेब्यू' किया है। तमिल फिल्म उद्योग में अपने पहले कदम को लेकर उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके दिल में हमेशा एक खास जगह बनाए रखेगा। अपनी पहली फिल्म के दर्शकों तक पहुंचने पर खुशी जाहिर करते हुए सृष्टि ने इस अनुभव को बेहद अविश्वसनीय बताया। उन्होंने कहा, 'किसी ऐसी यात्रा को बड़े पर्दे पर जीवंत होते देखना, जिसकी शुरुआत कई अनिश्चितताओं के साथ हुई थी, अपने आप में बेहद खास एहसास है। मुझे दर्शकों से मिल रहे प्यार, प्रोत्साहन और सराहना से बेहद खुशी हो रही है। लोगों को फिल्म से जुड़ते और इसे इतना स्नेह देते देख जो एहसास हो रहा है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है।' सृष्टि ने उन सभी लोगों का आभार भी व्यक्त किया जिन्होंने उनके सपने को साकार करने का अवसर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं निर्देशक मधुमिता, निर्माताओं और अपने सह-कलाकारों की बेहद आभारी हूं, जिन्होंने इस सफर को खास बनाया। मैं विशेष रूप से अर्का मीडिया वर्क्स और खासकर प्रसाद गरु, शोबू गरु, किशोर और सौम्या का धन्यवाद करना चाहती हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया और मुझे यह अवसर दिया। उनके विश्वास ने ही यह सब संभव बनाया और मैं इसके लिए हमेशा आभारी रहूंगी।' उन्होंने कहा, 'मैं अपनी अभिनय प्रशिक्षक कलई रानी का भी धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने एक कलाकार के रूप में मेरा मार्गदर्शन किया। साथ ही मेरी तमिल भाषा प्रशिक्षक माधुरी मैम का भी आभार, जिन्होंने मुझे एक नई भाषा को समझने और इस अनुभव को आत्मविश्वास के साथ अपनाने में मदद की। इस यात्रा को सफल बनाने में हर व्यक्ति का योगदान रहा है। मैं इससे बेहतर शुरुआत की कल्पना नहीं कर सकती थी और 'जॉन डो' हमेशा मेरे दिल के बेहद करीब रहेगी।' अर्का मीडिया वर्क्स के बैनर तले निर्मित इस ड्रामा फिल्म में अर्जुन दास, संचना नटराजन और सृष्टि सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा जारा विनीत, नीरव एस, बडावा गोपी, कार्तिक कुमार, अनुपमा कुमार और अर्चना चंदोके भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं।



प्यार का प्रेशर कुकर शो होस्ट करेंगी शिल्पा शेट्टी

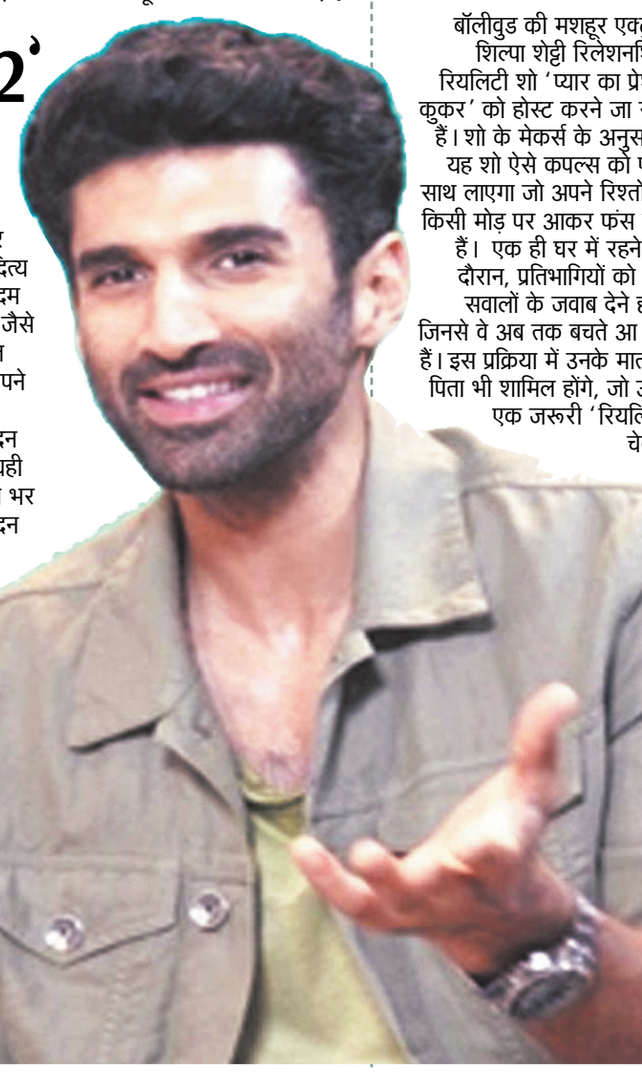
बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी रिलेशनशिप रियलिटी शो 'प्यार का प्रेशर कुकर' को होस्ट करने जा रही हैं। शो के मेकर्स के अनुसार, यह शो ऐसे कपल्स को एक साथ लाएगा जो अपने रिश्तों में किसी मोड़ पर आकर फंस गए हैं। एक ही घर में रहने के दौरान, प्रतिभागियों को उन सवालों के जवाब देने होंगे जिनसे वे अब तक बचते आ रहे हैं। इस प्रक्रिया में उनके माता-पिता भी शामिल होंगे, जो उन्हें एक जरूरी 'रियलिटी चेक' देंगे, ताकि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सके और सच सामने आ सके।

शो के बारे में बात करते हुए शिल्पा ने कहा, 'आजकल रिश्तों में कई नए शब्द जुड़ गए हैं, जैसे 'सिचुएशनशिप', 'ब्रेडक्रंबिंग' और 'बेंचिंग'। इस सब के बीच असल स्पष्टता कहीं खो गई है। चाहे रिश्ता नया हो या वर्षों से चला आ रहा कोई पुराना रिश्ता, एक ऐसा मोड़ जरूर आता है, जब किसी को सही और जरूरी सवाल पूछने ही पड़ते हैं। 'प्यार का प्रेशर कुकर' की जो बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है, वह है रियलिटी फॉर्मेट पर इसका एक नया नजरिया।'

अपनी बात कहने के लिए प्रेरित करता है शो

शिल्पा ने आगे कहा 'यह भारत का पहला ऐसा रिलेशनशिप शो है, जहां माता-पिता प्रतिभागियों को 'रियलिटी चेक' देते हैं। यह शो कपल्स के साथ-साथ उनके माता-पिता के लिए भी काफी दिलचस्प है, जो यह जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि असल में क्या चल रहा है। यह एक ऐसा शो है जो लोगों को वह बात कहने के लिए प्रेरित करता है जो वे वास्तव में कहना चाहते हैं। मैं इसे होस्ट करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।' यह शो जल्द ही जियो हॉटस्टार और कलर्स पर आएगा।

सलमान-अजय के साथ किया डेब्यू, 'आशिकी 2' ने आदित्य रॉय कपूर को दिलाई असली पहचान



अपनी शानदार पर्सनैलिटी, दमदार आवाज और सहज अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले आदित्य रॉय कपूर आज लाखों लड़कियों के दिलों पर राज करते हैं। हालांकि, बहुत कम लोग जानते हैं कि आदित्य कभी अभिनेता बनना ही नहीं चाहते थे। उनका सपना तो एक प्रोफेशनल क्रिकेटर बनने का था लेकिन किस्मत उन्हें क्रिकेट के मैदान से उठाकर फिल्मों की दुनिया में ले आई। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत सलमान खान और अजय देवगन जैसे सुपरस्टार्स के साथ फिल्म 'लंदन ड्रीम्स' से की थी लेकिन उन्हें असली पहचान 'आशिकी 2' से मिली। आदित्य रॉय कपूर का जन्म 16 नवंबर 1985 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही फिल्मी दुनिया से जुड़ा हुआ था। उनके दादा रघुपत रॉय कपूर 1940 के दशक में फिल्म निर्माता थे। वहीं, उनके बड़े भाई सिद्धार्थ रॉय कपूर बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म निर्माता हैं। उनकी शादी अभिनेत्री विद्या बालन से हुई है। आदित्य के दूसरे बड़े भाई कुणाल रॉय कपूर भी अभिनेता हैं। आदित्य की मां सलोमी रॉय कपूर (सलोमी आरोन) पूर्व मिस इंडिया और कोरियोग्राफर रह चुकी हैं। ऐसे में उनके परिवार का मनोरंजन जगत से पुराना नाता रहा है। इसके बावजूद आदित्य ने कभी बचपन से अभिनेता बनने का सपना नहीं देखा था। आदित्य को बचपन से ही क्रिकेट खेलने का बहुत शौक था। वह एक प्रोफेशनल क्रिकेटर बनना चाहते थे और इसके लिए उन्होंने क्रिकेट की कोचिंग भी ली थी। हालांकि, छठी कक्षा के बाद उन्होंने कोचिंग छोड़ दी।

फिल्मों में आने से पहले आदित्य ने बतौर वीडियो जॉकी अपने करियर की शुरुआत की थी। उनके मजाकिया अंदाज, बेबाक बातचीत और शानदार स्क्रीन प्रेजेंस को दर्शकों ने खूब पसंद किया। 'पकाऊ' और 'इंडियाज हॉटेस्ट' जैसे शो के जरिए वह युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हो गए थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात फिल्मी दुनिया के लोगों से होने लगी और धीरे-धीरे उनके लिए फिल्मों के दरवाजे खुलने लगे। आदित्य ने साल 2009 में फिल्म 'लंदन ड्रीम्स' से बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में सलमान खान और अजय देवगन जैसे बड़े सितारे मुख्य भूमिकाओं में थे। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि आदित्य ने यह फिल्म बड़ा अभिनेता बनने के सपने के साथ साइन नहीं की थी।

एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि फिल्म की शूटिंग लंदन में होनी थी और उन्हें वहां घूमने का मौका मिल रहा था। यही बात उन्हें इतनी पसंद आई कि उन्होंने फिल्म के लिए हामी भर दी। उस समय उनके लिए अभिनय से ज्यादा आकर्षण लंदन घूमने और गिटार बजाने का था। इसके बाद वह 'एक्शन रिप्ले' और 'गुजारिश' जैसी फिल्मों में भी नजर आए। हालांकि, इन फिल्मों से उन्हें वह पहचान नहीं मिली, जिसकी एक अभिनेता को तलाश होती है।

आदित्य रॉय कपूर की जिंदगी में सबसे बड़ा बदलाव साल 2013 में आया, जब मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म 'आशिकी 2' रिलीज हुई। इस फिल्म में उन्होंने श्रद्धा कपूर के साथ मुख्य भूमिका निभाई। आदित्य ने फिल्म में राहुल जयकर नाम के एक ऐसे गायक का किरदार निभाया, जिसकी जिंदगी प्यार, दर्द और संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म की कहानी और गानों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। वहीं, आदित्य और श्रद्धा की केमिस्ट्री भी खूब पसंद की गई।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।